



गांधारी के किरदार के लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी

■ वर्ष : 19

■ अंक: 44

■ नई दिल्ली 28 अगस्त से 03 सितम्बर 2026

■ पृष्ठ : 08

■ मूल्य : 02 रुपए

► पीएम मोदी ने भारत यात्रा पर आये बेल्जियम के प्रधानमंत्री से की द्विपक्षीय वार्ता

भारत- बेल्जियम के बीच रक्षा, व्यापार और हरित ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर जोर

5 वर्षों में द्विपक्षीय ट्रेड दोगुना करने का लक्ष्य, डी वेवर ने राजघाट पहुंचकर दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और बेल्जियम ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, हरित ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और लोगों के बीच परस्पर संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई है तथा 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का भी लक्ष्य रखा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत यात्रा पर आये बेल्जियम के पीएमबार्ट डी वेवर के साथ गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता की। फरवरी 2025 में पद संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। उनके साथ बेल्जियम के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रांकेन तथा अधिकारियों और उद्योग जगत का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। बेल्जियम के पीएम ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद दोनों देशों के प्रमुखों के बीच पहले अकेले और बाद में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई। मोदी ने उनके सम्मान में दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया।

यूएन में सुधार जरूरी: उन्होंने यूएन चार्टर को केंद्र में रखते हुए प्रभावी और सुधार पर आधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यूएन



में सुधार को जरूरी बताया। बेल्जियम ने विस्तारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी के लिए समर्थन दोहराया। दोनों देशों ने गैर-स्थायी सदस्यता के लिए एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन करने पर भी सहमति जताई। भारत 2028-29 और बेल्जियम 2037-38 के कार्यकाल के लिए उम्मीदवारी पेश करेगा। दोनों ने व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जीवन विज्ञान, औषधि, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, रक्षा, एयरोस्पेस, अंतरिक्ष, लॉजिस्टिक्स, परिवहन, बंदरगाह,

स्वच्छ प्रौद्योगिकी, रसायन, उन्नत सामग्री, विनिर्माण, सेमीकंडक्टर और अहम खनिजों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी बात की।

हौरा व्यापार को बताया अहम : बेल्जियम के शहर एंटवर्प तथा मुंबई और सूरत के बीच लंबे समय से चले आ रहे हौरा व्यापार को भी अहम बताते हुए दोनों देशों ने इस ऐतिहासिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत-बेल्जियम निवेश फास्ट-ट्रैक तंत्र शुरू करने का स्वागत करते हुए दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बताया।

भारत में परिसर खोलने के लिए आमंत्रित किया

दोनों प्रधानमंत्रियों ने नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग पर नए समझौता ज्ञापन का स्वागत किया। इसके तहत हरित हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, समुद्री पवन ऊर्जा, जैव ऊर्जा, लघु जलविद्युत और पंप भंडारण संयंत्रों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जायेगा। भारत और बेल्जियम ने हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में औद्योगिक साझेदारी और ज्ञान के आदान-प्रदान को भी बढ़ाने पर जोर दिया। दोनों देशों ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और उपयोग की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जतायी। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारतीय कंपनियों, विश्वविद्यालयों और बेल्जियम के आईएमईसी के बीच सहयोग को गहरा करने का समर्थन किया गया। एआई, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार में सहयोग का भी स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रभावी वीजा सेवाओं की जरूरत पर जोर दिया। भारत और बेल्जियम में राजनयिक मिशन की वीजा प्रक्रिया क्षमता बढ़ाने और बेल्जियम को भारत में वीजा सेवा व्यवस्था को मजबूत करने का स्वागत किया गया। मोदी ने बेल्जियम के विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को भारत की नई शिक्षा नीति के तहत भारत में परिसर खोलने के लिए आमंत्रित किया। दोनों देशों ने कौशल विकास और तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। दोनों नेताओं ने युकेन और पश्चिम एशिया के हाल के घटनाक्रम सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ईडी की बड़ी कार्रवाई

दक्षिण भारत में 30 ठिकानों पर तलाशी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मादक पदार्थों से जुड़े आठ मामलों में दक्षिण भारत में एक साथ बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। ईडी की विभिन्न जोनल टीमों की ओर से केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में कुल 30 ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत कार्रवाई की जा रही है। ईडी के अनुसार, दक्षिण क्षेत्र के सभी जोन में एक साथ की जा रही इस कार्रवाई के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़े कथित धन के लेनदेन से संबंधित आठ अलग-अलग मामलों की जांच की जा रही है। तलाशी के दौरान एजेंसी का उद्देश्य मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों से जुड़े धन, संपत्तियों, बैंक खातों, दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों का पता लगाना है। आगे की जांच जारी है।

तमिलनाडु के निसारदीन, कासिलिंगम और अन्य से जुड़े मामले में 11 जून 2024 को एनसीबी ने मंडयम शरणार्थी शिविर में रह रहे श्रीलंकाई नागरिक एन. अजन्धन और के. मधुशन को पकड़ा था। उनके पास से 1.470 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद हुआ था। 14 जून 2024 को चेन्नई के मन्नाडी स्थित अंगणा नायकेन स्ट्रीट के दुकान संख्या 193/138 पर के. कृष्ण कुमार को मोहम्मद रिजालुदीन से रुपये लेते हुए पकड़ा गया। वहां से



1.29 करोड़ रुपये से अधिक भारतीय मुद्रा, 30 हजार अमेरिकी डॉलर और 5,030 श्रीलंकाई रुपये बरामद किए गए। ईडी के अनुसार, उक्त परिसर का संचालन दुबई में रह रहे एस. निसारदीन की ओर से मोहम्मद रिजालुदीन कर रहा था और इसका इस्तेमाल अनधिकृत हवाला लेनदेन के लिए किया जा रहा था। इस मामले में चेन्नई और रामनाथपुरम जिले में दो ठिकानों पर तलाशी चल रही है। तमिलनाडु के सैयद इब्राहिम, बयसुल रहमान और अन्य से जुड़े मामले में 24 जुलाई 2024 को एनसीबी ने चेन्नई के किलाबक्कम बस टर्मिनस के पास बयसुल रहमान को पकड़ा था। उसके पास से 5.970 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद हुआ। एनसीबी ने इस मामले में 39.38 लाख रुपये नकद, 586 ग्राम सोना और एक किलोग्राम चांदी भी जब्त की थी। ईडी के अनुसार, इस मामले में चेन्नई और रामनाथपुरम के बीच हवाला और नकदी लेनदेन से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। रामनाथपुरम और तिरुनेलवेली में दो

ठिकानों पर तलाशी जारी है। उदय कुमार और अन्य से जुड़े तमिलनाडु के मामले में 10 दिसंबर 2023 को एनसीबी ने चेन्नई के मन्नाडी स्थित होटल व्हाइट पैलेस के कमरा संख्या 109 में श्रीलंकाई नागरिक एस. उदय कुमार के कब्जे से दो किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया था। जांच में सामने आया कि उसे श्रीलंका के राजन उर्फ मदन के निर्देश पर यह खेप प्राप्त करने के लिए चेन्नई भेजा गया था। इसी मामले में एनसीबी ने अंबतूर स्थित वायरलेस ग्राउंड से 54.600 किलोग्राम मेथामफेटामाइन भी बरामद किया था। ईडी के अनुसार, इस मामले में छह ठिकानों पर तलाशी चल रही है। एम. एल्लेस और अन्य से जुड़े मामले में 13 अप्रैल 2025 को एनसीबी ने पुडुकोट्टै-मुद्दई पर मेलाविलाकुडी के पास एम. एलेयस को 950 ग्राम मेथामफेटामाइन हाइड्रोक्लोराइड के साथ पकड़ा था। उसके पास से दो लाख रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन और एक टोयोटा कैमरी कार भी जब्त की गई थी।

मुंबई में लखपति दीदियों से मिले शिवराज सिंह चौहान बोले-बहनों से कनेक्शन भी दिल का, बातचीत भी दिल से

○ दीदियों ने बैंक से लोन मिलने की प्रशंसा भी की, लेकिन कठिनाइयों को भी बताया

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मुंबई में लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूह की बहनों के साथ संवाद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।

शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा, बहनों से कनेक्शन भी दिल का, कनेक्शन भी दिल से। आज मुंबई में लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूह की बहनों के साथ संवाद किया। बैंक लोन, कागजी प्रक्रिया सहित उनकी परेशानियां समझीं और अब बैंकरो के साथ बैठकर इनका समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।



शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो संदेश में कहा, आज का दिन हमारे लिए सौभाग्य का दिन है। हम स्वयं सहायता दीदियों के साथ आज चर्चा कर रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि 3 करोड़ लखपति दीदियां बनाए। अभी तक 2 करोड़ दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं और बाकी दीदियां भी लखपति बनें,

इसका अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी बनने के लिए बिजनेस चाहिए और उसके लिए लोन चाहिए, इसमें बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज हमने अपनी दीदियों के साथ चर्चा की। दीदियों ने बैंक से लोन मिलने की प्रशंसा भी की, लेकिन कठिनाइयों को भी बताया है। शिवराज सिंह चौहान ने बताया

कि आज मुंबई में बैंकर्स की बैठक है। उस बैठक में बैंकर्स के साथ इन कठिनाइयों को रखकर इनका समाधान ढूँढ़ेंगे। दीदियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन बनाई जाएगी। जिनको बैंक से लोन लेने में तकलीफ होती है, दिक्कत आती है, वे उस हेल्पलाइन पर अपनी समस्याएं बताएंगी तो उसका समाधान करने का तत्काल प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी दीदियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं।

बता दें कि लखपति दीदी योजना भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं की वार्षिक घरेलू आय को बढ़ाकर कम से कम 1,00,000 रुपए या उससे अधिक करना है। यह योजना दीनदयाल अंत्योदय योजना (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के तहत चलाई जा रही है।

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों के बेहतर प्रबंधन, विश्लेषण और प्रभावी इस्तेमाल के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर जोर देते हुए कहा है कि पानी से संबंधित आंकड़ों को एकीकृत कर ज्यादा व्यवस्थित बनाने की जरूरत है ताकि जल प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

श्री मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय के दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि एआई के माध्यम से समान प्रारूप में जल संबंधी आंकड़ों का संग्रह और विश्लेषण किया जा सकता है। उन्होंने कृषि और औद्योगिक जरूरतों के लिए उपचारित पानी के समुचित उपयोग के लिए पहले से तैयारी कर एकीकृत योजना बनाने पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन से निकले कार्यान्वयन योग्य और



समयबद्ध कार्य बिंदुओं की लगातार समीक्षा और उनके फॉलो-अप की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक बार होने वाली गतिविधि तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसकी समीक्षा और सीखने की प्रक्रिया लगातार जारी रहनी चाहिए।

उन्होंने जल संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए हज्जल उत्सव को बढ़ावा देने का भी सुझाव दिया और कहा कि गद निकालने के काम को नियमित

कार्यक्रम बनाने और इसके लिए स्पष्ट नियम तथा मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने पानी बचाने वाली तकनीकों को अधिक से अधिक अपनाने और इस क्षेत्र में इस्तेमाल हो रहे दुनिया के बेहतर तौर-तरीकों से सीख लेने की आवश्यकता को बात करते हुए जलप्रतिनिधियों, अधिकारियों और किसानों के बीच अंतरराष्ट्रीय अध्ययन-दौरे आयोजित करने का सुझाव दिया ताकि विभिन्न राज्यों में अपनाए जा

रहे सफल उपायों को दूसरे क्षेत्रों में भी लागू किया जा सके।

उन्होंने तेजी से हो रहे शहरीकरण और भविष्य में पानी की जरूरतों को देखते हुए शहरी स्थानीय निकायों को भी जल प्रबंधन के प्रति तैयार करने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि बांधों की सुस्था के लिए हर मानसून से पहले पूरी तैयारी रखने और स्कूली छात्रों में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने सम्मेलन के चार प्रमुख परिणामों का उल्लेख करते हुए जल ढांचगत परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने, जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में मजबूत करने, पेयजल स्रोतों की दीर्घकालिक उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा गांवों में पेयजल योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं रखरखाव को संस्थागत रूप देने पर जोर दिया।

पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर टीएमसी ने राष्ट्रपति और राज्यपाल से मांगा मिलने का समय

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर तुण्मूल काग्रिस (टीएमसी) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात के लिए समय मांगा है। पार्टी ने गुरुवार को दोनों संवैधानिक पदों पर पत्र भेजकर मुलाकात का समय देने का अनुरोध किया।

टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राष्ट्रपति और राज्यपाल को भेजे गए पत्र में राज्य में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर कथित हमलों की जानकारी देने के लिए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात का आग्रह किया गया है।

टीएमसी नेता के मुताबिक, राष्ट्रपति और राज्यपाल से समय मिलने के बाद पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं पर कथित



हमलों के मामलों को उनके सामने रखेगा। पार्टी का आरोप है कि इस साल विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार और मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी के सत्ता संभालने के बाद से इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

राष्ट्रपति और राज्यपाल से मिलने के लिए समय मांगने का

फैसला टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के गुरुवार को किए गए सोशल मीडिया पोस्ट के बाद आया। अभिषेक बनर्जी ने अपने सेंट्रल कोलकाता स्थित कैमैक स्ट्रीट कार्यालय पर गुरुवार सुबह कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले का वीडियो भी साझा किया।

इसके कुछ देर बाद अभिषेक बनर्जी ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि पिछले एक महीने के दौरान उनके दो कार्यालयों में तोड़फोड़ और सामान की लूटपाट की गई। इनमें पहला कार्यालय दक्षिण 24 पराना जिले के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत अमतला में और दूसरा कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय है।

अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस और भाजपा से जुड़े लोग न तो कानून की पक्का कर रहे हैं और न ही न्यायपालिका की। उन्होंने कहा कि यह अब केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है, बल्कि कानून के शासन को खुली चुनौती देने जैसा है।

उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या वह कानून का शासन कायम रखने, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित

करने के लिए हस्तक्षेप करेगी कि पश्चिम बंगाल में संविधान की सत्ता महज औपचारिकता बनकर न रह जाए। हालांकि, रिपोर्ट लिखे जाने तक कैमैक स्ट्रीट स्थित पार्टी कार्यालय की घटना को लेकर टीएमसी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

कैमैक स्ट्रीट स्थित अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय को लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। पिछले सप्ताह कार्यालय की इमारत की छत से टीएमसी के एक कथित अवैध होर्डिंग को हटाए जाने के दौरान हुए विवाद के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थी।

इस मामले में कोलकाता पुलिस पिछले दो दिनों के दौरान अभिषेक बनर्जी, उनके निजी सहायक सुमित राय और टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरैक ओहन्नान्यन से पूछताछ कर चुकी है।

रक्षा मंत्री ने 10 वर्षों में वैश्विक साझेदारी के लिए 'रक्षा' कूटनीति दस्तावेज जारी किया

○ ग्लोबल डिफेंस पार्टनरशिप के लिए रोडमैप और विजन को बताया गया



नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में डिफेंस डिप्लोमेसी पर 'रक्षा' डॉक्यूमेंट जारी किया। इसमें अगले 10 सालों में ग्लोबल डिफेंस पार्टनरशिप के लिए भारत के स्ट्रेटेजिक रोडमैप और विजन को बताया गया है। यह डॉक्यूमेंट भारत के स्ट्रेटेजिक जुड़ाव में बदलाव को दिखाता है, जिससे लंबे समय की स्थिरता और आपसी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इस रोडमैप में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए रणनीतिक साझेदारी, संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़ाने और मित्र देशों के साथ सर्वोत्तम प्रथाएं साझा

करने, देश को भरोसेमंद वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के तौर पर स्थापित करने के लिए मेक-इन्-इंडिया डिफेंस प्लेटफार्म को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा समुद्री सुरक्षा के तहत हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाना और प्रथम प्रयुक्त कर्ता के तौर पर भारत की भूमिका को मजबूत करने को कहा गया है, क्योंकि रक्षा कूटनीति भारत की विदेश नीति का एक मुख्य स्तंभ है। यह डॉक्यूमेंट अगले दशक के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन योग्य दृष्टि देता है, ताकि भारत बदलते ग्लोबल माहौल में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था का एक अहम

हिस्सा बना रहे। इस मीक पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सेक्रेटरी (ईस्ट), विदेश मंत्रालय रुद्रेंद्र टंडन, उप वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर, चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ से चीफ ऑफ स्टॉफ कमेटी के चेयरमैन एयर मार्शल तेजिंदर सिंह और रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भारत निविदा लाईन

सम्पादकीय

पत्रकारों पर नया हमला

पश्चिम बंगाल के प्रमुख बंगाली समाचार पत्र आनंदबाजार पत्रिका इस समय भाजपा और शुभेन्दु अधिकारी सरकार के निशाने पर आ गया है। मंगलवार को अखबार के दप्तर के बाहर भगवा रंग के कपड़े पहने कुछ गुंडों ने दीवार को भगवा रंग पोत दिया और यह सब जब हो रहा था तो कोलकाता पुलिस वहीं मौजूद थी। घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उसमें यह गुंडागर्दी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। इस पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने लिखा है कि बंगाल अधिकार युग में चला गया है। वाकई जो माहौल इस समय बंगाल में बना दिया गया है, वह किसी अधरे से कम नहीं है।

मई में चुनाव जीतने के बाद से भाजपा एकदम मद्भाग होकर व्यवहार कर रही है। टीएमसी नेताओं को तो लगातार निशाना बनाया ही जा रहा है, इसके अलावा हर उस आवाज को कुचलने की कोशिश हो रही है जो भाजपा सरकार के विरोध में उठे।

20 अगस्त को ही शुभेन्दु अधिकारी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी में लाल सलाम किशनजी के नारे दीवारों पर लिखे होने का विरोध करते हुए कहा कि नारों के साथ बहुत कुछ मिटा देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आजादी के नारे लगाने वाले तत्वों को 'धर के कचरे की तरह साफ' कर देना चाहिए। शुभेन्दु अधिकारी के बयान के बाद ही यूनिवर्सिटी की दीवारों पर रंगाई-पुताई होने लगी और प्रशासन ने कहा कि यह सफाई करने के लिए हो रहा है। जबकि माकपा और एसएफआई जैसे संगठनों का कहना है कि यह असहमति की आवाज दबाने की कोशिश है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह कोशिश केवल यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने तक पहुंच चुकी है। जादवपुर यूनिवर्सिटी में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी स्टूडेंट्स यूनियन और एबीवीपी के बीच हुए झड़पों पर आनंद बाजार पत्रिका ने भगवा गुंडागर्दी शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इस शीर्षक पर आपत्ति जताते हुए अखबार के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार 27 अगस्त को शास्त्री महाराज नामक व्यक्ति ने कोलकाता में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि 'भगवा गुंडागर्दी' शब्द का इस्तेमाल जानबूझ कर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और समाज में अशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया। इसके आधार पर 28 अगस्त को पुलिस ने आनंदबाजार पत्रिका के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एफआईआर में आनंदबाजार पत्रिका की संपादक ईशानी दत्ता रॉय, चीफ रिपोर्टर सोमा मुखर्जी और संपादकीय टीम के अन्य सदस्यों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में मांग की गई है कि पुलिस यह जांच करे कि विवादित शब्द का सुझाव किसने दिया, शीर्षक किसने मंजूर किया और संपादन प्रक्रिया में कौन-कौन शामिल था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन लोगों ने धार्मिक भावनाओं को ठेसे पहुंचाने के इरादे से यह शब्द इस्तेमाल किया। इसके बाद भगवा कपड़े पहने कई लोग मंगलवार दोपहर आनंदबाजार पत्रिका के कार्यालय के बाहर पहुंचे।

शिक्षक ही समाज का शिल्पकार और मार्गदर्शक

-ब्रह्मानंद राजपूत-

शिक्षक का दर्जा समाज में हमेशा से ही पूजनीय रहा है। कोई उसे गुरु कहता है, कोई शिक्षक कहता है, कोई आचार्य कहता है, तो कोई अध्यापक या टीचर कहता है ये सभी शब्द एक ऐसे व्यक्ति को चिचित करते हैं, जो सभी को ज्ञान देता है, सिखाता है और जिसका योगदान किसी भी देश या राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करना है। इसी मायने में कहा जाये तो एक शिक्षक ही अपने विद्यार्थी का जीवन सहाता है। और शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। एक शिक्षक अपने जीवन के अन्त तक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता है और समाज को राह दिखाता रहता है, तभी शिक्षक को समाज में उच्च दर्जा दिया जाता है।

माता-पिता बच्चे को जन्म देते हैं। उनका प्स्थान कोई नहीं ले सकता, उनका कर्ज हम किसी भी रूप में नहीं उतार सकते, लेकिन एक शिक्षक ही है जिसे हमारी भारतीय संस्कृति में माता-पिता के बराबर दर्जा दिया जाता है। क्योंकि शिक्षक ही हमें समाज में रहने योग्य बनाता है। इसलिए ही शिक्षक को समाज का शिल्पकार कहा जाता है। गुरु या शिक्षक का संबंध केवल विद्यार्थी को शिक्षा देने से ही नहीं होता बल्कि वह अपने विद्यार्थी को हर मोड़ पर उसको राह दिखाता है और अपना हाथ थामने के लिए हमेशा तैयार रहता है। विद्यार्थी के मन में उमड़े हर सवाल का जवाब देता है और विद्यार्थी को सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदा प्रेरित करता है।

एक शिक्षक या गुरु द्वारा अपने विद्यार्थी को स्कूल में जो सिखाया जाता हैं या जैसा वो सीखाता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। इसलिए एक शिक्षक या गुरु ही अपने विद्यार्थी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। विषय में केवल भारत ही ऐसा देश है यहाँ पर शिक्षक अपने शिक्षार्थी को ज्ञान देने के साथ-साथ गुणवत्तायुक्त शिक्षा भी देते हैं, जो कि एक विद्यार्थी में उच्च मूल्य स्थापित करने में बहुत उपयोगी है। जब अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति आता है तो वो भारत की गुणवत्तायुक्त शिक्षा की तारीफ करता है।

किसी भी राष्ट्र का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास उस देश की शिक्षा पर निर्भर करता है। अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी है तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी नहीं होगी तो वहाँ की प्रतिभा दब कर रह जायेगी। बेशक किसी भी राष्ट्र की शिक्षा नीति बेकार हो, लेकिन एक शिक्षक बेकार शिक्षा नीति को भी अच्छी शिक्षा नीति में तब्दील कर देता है। शिक्षा के अनेक आयाम हैं, जो किसी भी देश के विकास में शिक्षा के महत्व को अपौरोखान्तिक करते हैं। वास्तविक रूप में ज्ञान ही शिक्षा का आशय है, ज्ञान का आकांक्षी है- विद्यार्थी और इसे उपलब्ध कराता है शिक्षक।

एक शिक्षक द्वारा दी गयी शिक्षा ही शिक्षार्थी के सर्वांगीण विकास का मूल आधार है। प्राचीन काल से आज पर्यन्त शिक्षा की प्रासंगिकता एवं महत्ता का मानव जीवन में विशेष महत्व है। शिक्षकों द्वारा प्रारंभ से ही पाठ्यक्रम के साथ ही साथ जीवन मूल्यों की प्रशाना दी जाती है। शिक्षा हमें ज्ञान, विनम्रता, व्यवहारकुशलता और योग्यता प्रदान करती है। शिक्षक को ईश्वर तुल्य माना जाता है। आज भी बहुत से शिक्षक शिक्षकीय आदर्शों पर चलकर एक आदर्श मानव समाज की स्थापना में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ-साथ ऐसे भी शिक्षक हैं जो शिक्षक और शिक्षा के नाम को कलंकित कर रहे हैं, और ऐसे शिक्षकों ने शिक्षा को व्यवसाय बना दिया है, जिससे एक निर्धन शिक्षार्थी को शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है और धन के अभाव से अपनी पढाई छोडनी पडती है। आधुनिक युग में शिक्षक की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। शिक्षक वह पथ प्रदर्शक होता है जो हमें किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि जीवन जीने की कला सिखाता है। आज के समय में शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण हो गया है। शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण देश के समक्ष बड़ी चुनौती हैं। पुराने समय में भारत में शिक्षा का भी व्यवसाय या धंधा नहीं थी। इससे छात्रों को बडी कठिनाई का सामना करना पड रहा है। शिक्षक ही भारत देश को शिक्षा के यवसायीकरण और बाजारीकरण से स्वतंत्र कर रहे हैं। देश के शिक्षक ही पथ प्रदर्शक बनकर भारत में शिक्षा जगत को नई बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। गुरु एवं शिक्षक ही वो हैं जो एक शिक्षार्थी में उचित आदर्शों की स्थापना करतें हैं और सही मार्ग दिखाते हैं। एक शिक्षार्थी को अपने शिक्षक या गुरु प्रति सदा आदर और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। किसी भी राष्ट्र का भविष्य निर्माता कहे जाने वाले शिक्षक का महत्व यही समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ हमको सही आदर्श मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि प्रत्येक शिक्षार्थी के सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है।

शिक्षक : केवल ज्ञानदता नहीं, राष्ट्र के चरित्र-निमार्ता

सुरेश सिंह बैस ‘शाश्वत’

आज समाज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें शिक्षक का दायित्व और भी बढ़ गया है।

युवाओं के सामने रोजगार और प्रतियोगिता की चुनौतियां हैं।

सोशल मीडिया के प्रभाव,

आभासी दुनिया, बढ़ती

उपभोक्तावादी प्रवृत्ति और

त्वरित सफलता की मानसिकता

ने नई पीढ़ी के सामने अनेक

भ्रम भी पैदा किए हैं। ऐसे समय

में शिक्षक को केवल विषय

विशेषज्ञ बने रहना पर्याप्त नहीं

है। उसे विद्यार्थियों का

मार्गदर्शक और संवेदनशील

संरक्षक भी बनना होगा। शिक्षा

का लक्ष्य केवल डॉक्टर,

इंजीनियर, अधिकारी या

व्यवसायी बनाना नहीं हो

सकता। शिक्षा का अंतिम

उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार

करना होना चाहिए जो अपने

अधिकारों के साथ अपने

कर्तव्यों को भी समझें।



-रजनीश कपूर-

आईआईटी जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों

का मानना है कि सबसे कम बोली वाले ठेकेदार को काम मिलने से लागत कम करने के लिए घंटिया सामग्री का इस्तेमाल होता है। सब-कॉन्ट्रैक्ट की कई परतें और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में लापरवाही भी जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि सफलता को सिर्फ किलोमीटर में नहीं, बल्कि टिकाऊपन में मापा जाए।

पिछले कुछ वर्षों में देश भर में सड़कों के धंसने, फ्लाईओवर के गिरने और नयी-नयी बनी सड़कों के जल्दी खराब होने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बारिश हो या सामान्य मौसम, सड़कें गड्ढों में तब्दील हो जा रही हैं, सेवा मार्ग धंस जाते हैं और कभी-कभी बड़ी निर्माण परियोजनाएँ भी विफल साबित हो जाती हैं। गुरुग्राम, कानपुर, गुजरात और जम्मू-कश्मीर जैसी जगहों पर हाल की घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी में गंभीर खामियाँ हैं। ये घटनाएं न केवल आम नागरिकों की जान जोखिम में डालती हैं, बल्कि विभिन्न राज्य सरकारों की छवि भी धूमिल करती हैं।

अगस्त 2026 में गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद बेहद व्यस्त रहने वाले इफ्को चौक के पास दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस रोड धंस गई। करीब 10 से 15 फीट गहरा और कई फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। जीएमडीए की सीवर लाइन में लीकेज से मिट्टी बह गई और सड़क धंस गई। इसी तरह कानपुर में जाजमऊ के

कातिलाल मांडोट

बच्चा जब घर के आंगन में खेलता है तो माता पिता को लगता है कि दुनिया की सारी खुशियां उनके सामने हैं। उसकी हंसी घर को जीवंत बना देती है और उसकी छोटी छोटी जरूरतें परिवार के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती हैं। लेकिन यही बच्चा अचानक घर से गायब हो जाए तो उस परिवार की दुनिया जैसे धम जलती है। उसके लौटने की उम्मीद हर पल बनी रहती है और हर गुजरते घंटे के साथ चिंता गहरी होती जाती है। बच्चों के अपहरण की घटनाएं इसलिए केवल अपराध के आंकड़े नहीं हैं बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों की ऐसी पीड़ा छिपी होती है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

देश में बच्चों के बढ़ते अपहरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक बेहद गंभीर विषय को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल यह नहीं है कि कितने बच्चे लاپता होते हैं बल्कि बड़ा सवाल यह है कि उनके गायब होने के बाद व्यवस्था कितनी तेजी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें खोजने का प्रयास करती है। यदि किसी बच्चे के लاپता होने की सूचना मिलने के बाद शुरूआती समय में ही प्रभावी कार्रवाई हो जाए तो उसके सुरक्षित मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसके विपरीत जांच में देरी अपराधियों को अपनी गतिविधियों को छिपाने का अवसर दे सकती है।

बच्चों के अपहरण का स्वरूप भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई मामलों में यह केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहता

भारत की संस्कृति में शिक्षक का स्थान सदैव अत्यंत ऊँचा रहा है। हमारी परंपरा ने शिक्षक को केवल पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं माना, बल्कि उसे जीवन का मार्गदर्शक, संस्कारों का संवाहक और समाज के भविष्य का निमार्ता माना है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में ‘गुरु’ को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला कहा गया। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में भले ही शिक्षक की भूमिका का स्वरूप बदला हो, लेकिन उसका मूल दायित्व आज भी वही है ,मुनुष्य को शिक्षित करने के साथ उसे बेहतर मनुष्य बनाना। भारत में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती का स्मरण भी है। उनके व्यक्तित्व में शिक्षा, दर्शन, संस्कृति और राष्ट्रचिंतन का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। शिक्षक दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या है और शिक्षक की भूमिका समाज में कितनी व्यापक है।

आज शिक्षा का संसार तेजी से बदल रहा है। डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन शिक्षा और सूचना के असीमित स्रोतों ने ज्ञान प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। विद्यार्थी कुछ ही क्षणों में इंटरनेट से हजारों जानकारीयां प्राप्त कर सकता है। ऐसे समय में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि जब जानकारी हर जगह उपलब्ध है, तब शिक्षक की आवश्यकता क्यों है..?

इसका उत्तर यही है कि जानकारी और ज्ञान एक नहीं हैं तथा ज्ञान और विवेक भी एक नहीं हैं। इंटरनेट सूचना दे सकता है, लेकिन सूचना का सही अर्थ समझना, तथ्य और भ्रम में अंतर करना, सही और गलत के बीच निर्णय लेना तथा

सड़कें और फ्लाईओवर जनता की सुरक्षा की रीढ़

सूरैया चौराहे पर सड़क में अचानक हटपातवाड़ जैसा गड्ढा बन गया, जो लगभग तीन मीटर चौड़ा और 18 फीट गहरा था। बारिश का पानी देखते ही देखते उसमें समा डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में लापरवाही भी जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि सफलता को सिर्फ किलोमीटर में नहीं, बल्कि टिकाऊपन में मापा जाए।

पिछले कुछ वर्षों में देश भर में सड़कों के धंसने, फ्लाईओवर के गिरने और नयी-नयी बनी सड़कों के जल्दी खराब होने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बारिश हो या सामान्य मौसम, सड़कें गड्ढों में तब्दील हो जा रही हैं, सेवा मार्ग धंस जाते हैं और कभी-कभी बड़ी निर्माण परियोजनाएँ भी विफल साबित हो जाती हैं। गुरुग्राम, कानपुर, गुजरात और जम्मू-कश्मीर जैसी जगहों पर हाल की घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी में गंभीर खामियाँ हैं। ये घटनाएं न केवल आम नागरिकों की जान जोखिम में डालती हैं, बल्कि विभिन्न राज्य सरकारों की छवि भी धूमिल करती हैं।

अगस्त 2026 में गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद बेहद व्यस्त रहने वाले इफ्को चौक के पास दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस रोड धंस गई। करीब 10 से 15 फीट गहरा और कई फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। जीएमडीए की सीवर लाइन में लीकेज से मिट्टी बह गई और सड़क धंस गई। इसी तरह कानपुर में जाजमऊ के

आईआईटी जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों

का मानना है कि सबसे कम बोली वाले ठेकेदार को काम मिलने से लागत कम करने के लिए घंटिया सामग्री का इस्तेमाल होता है। सब-कॉन्ट्रैक्ट की कई परतें और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में लापरवाही भी जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि सफलता को सिर्फ किलोमीटर में नहीं, बल्कि टिकाऊपन में मापा जाए।

बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क की भूमिका सामने आती है। बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले गिराव कार्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता।

मानव तस्करी इस समस्या का सबसे भयावह पहलू है। मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर करके अलग अलग प्रकार के शोषण में धकेला जाना समाज के लिए गंभीरे चेतावनी है। कुछ बच्चे मजदूरी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं तो कुछ को भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसे गिरोह बच्चों की मजबूरी को अपने की अवैध कारोबार का साधन बना लेते हैं। बच्चों के हाथों में किताब और खिलौने होने चाहिए लेकिन अपराधी उन्हें अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे बड़ा सामाजिक अन्याय और क्या हो सकता है।

बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी इसी समस्या की एक कड़ी हैं। सड़क पर किसी बच्चे को भीख मांगते देखकर अक्सर लोग कुछ पैसे देकर भाग बह जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि उस बच्चे की स्थिति के पीछे कोई संगठित शोषण तो नहीं है। हर बच्चा अपनी इच्छा से सड़क पर नहीं आता। कई

ज्ञान को जीवन-मूल्यों से जोड़ना शिक्षक ही सिखाता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए तैयार नहीं करता। वह उसके भीतर प्रश्न करने की क्षमता पैदा करता है। वह उसे असफलता से सीखना, सफलता में विनम्र रहना और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना सिखाता है। शिक्षक को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला कहा गया। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में भले ही शिक्षक की भूमिका का स्वरूप बदला हो, लेकिन उसका मूल दायित्व आज भी वही है ,मुनुष्य को शिक्षित करने के साथ उसे बेहतर मनुष्य बनाना। भारत में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती का स्मरण भी है। उनके व्यक्तित्व में शिक्षा, दर्शन, संस्कृति और राष्ट्रचिंतन का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। शिक्षक दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या है और शिक्षक की भूमिका समाज में कितनी व्यापक है।

आज समाज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें शिक्षक का दायित्व और भी बढ़ गया है। युवाओं के सामने रोजगार और प्रतियोगिता की चुनौतियां हैं। सोशल मीडिया के प्रभाव, आभासी दुनिया, बढ़ती उपभोक्तावादी प्रवृत्ति और त्वरित सफलता की मानसिकता ने नई पीढ़ी के सामने अनेक भ्रम भी पैदा किए हैं। ऐसे समय में शिक्षक को केवल विषय विशेषज्ञ बने रहना पर्याप्त नहीं है। उसे विद्यार्थियों का मार्गदर्शक और संवेदनशील संरक्षक भी बनना होगा। शिक्षा का लक्ष्य केवल डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी या व्यवसायी बनाना नहीं हो सकता। शिक्षा का अंतिम उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना होना चाहिए जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। जो अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार हों, समाज के प्रति संवेदनशील हों और राष्ट्र के प्रति अर्थ दायित्व को पहचानें।

वास्तव में किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसद, उसकी इमारतों या उसकी अर्थव्यवस्था से ही तय नहीं होता; उसका भविष्य उन कक्षाओं में भी तैयार होता है जहां शिक्षक आने वाली पीढ़ी के मन और मस्तिष्क को आकार देते हैं। आज की बच्चा में बैठा विद्यार्थी ही कल का डॉक्टर, वैज्ञानिक, सैनिक, पत्रकार, न्यायाधीश, प्रशासक, किसान, उद्यमी और जनप्रतिनिधि बनेगा। इसलिए शिक्षक का

प्रत्येक शब्द भविष्य के समाज को प्रभावित कर सकता है।

परंतु इसके लिए शिक्षक को भी बदलते समय के साथ स्वयं को निरंतर विकसित करना होगा। नई तकनीक से परिचित होना, विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझना और शिक्षा को रचनात्मक बनाना आज आवश्यक है। शिक्षक का सम्मान तभी साधक होगा जब समाज उसे केवल सम्मान समारोहों तक सीमित न रखकर उसकी गरिमा, स्वतंत्रता और कार्यपरिस्थितियों का भी सम्मान करे।

दूसरी ओर विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी है। शिक्षक से प्रश्न करना उनका अधिकार है, लेकिन शिक्षक के प्रति सम्मान और अनुशासन बनाए रखना उनका संस्कार होना चाहिए। आज के डिजिटल युग में विद्यार्थी को यह समझना होगा कि मोबाइल और इंटरनेट शिक्षक के विकल्प नहीं, बल्कि शिक्षक के मार्गदर्शन में उपयोग किए जाने वाले साधन हैं।माता-पिता और शिक्षक के बीच बेहतर संवाद भी अत्यंत आवश्यक है। बच्चे की शिक्षा केवल विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार उसका पहला विद्यालय है और माता-पिता उसके प्रथम शिक्षक। जब परिवार और विद्यालय एक-दूसरे के पूरक बनते हैं, तभी बच्चे का संतुलित व्यक्तित्व विकसित होता है।

आज हमें शिक्षा में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन की आवश्यकता है ,अंकों की दौड़ से निकलकर प्रतिभा और व्यक्तित्व के विकास की ओर बढ़ना। हर विद्यार्थी एक जैसा नहीं होता। किसी में गणित की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में खेल की तो किसी में नेतृत्व की। शिक्षक का काम केवल यह देखना नहीं कि कौन विद्यार्थी परीक्षा में कितने अंक लाता है, बल्कि यह पहचानना भी है कि उसके

भीतर कौन-सी विशिष्ट क्षमता छिपी हुई है।

एक शिक्षक की सबसे बड़ी सफलता तब होती है जब उसका विद्यार्थी उससे आगे निकल जाता है। जिस दिन शिक्ष्य अपने शिक्षक से अधिक ऊंचाई से प्राप्त करता है, उस दिन शिक्षक छोटा नहीं होता; बल्कि उसकी साधना सफल होती है। यही गुरु-शिष्य परंपरा की वास्तविक सुंदरता है। शिक्षक समाज में मौन क्रांति का वाहक है। वह प्रतिदिन बिना किसी बड़े मंच और प्रचार के राष्ट्र निर्माण करता है। उसकी कक्षा में बोला गया कोई तेज का वाक्य किसी विद्यार्थी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। उसका विश्वास किसी निराश विद्यार्थी में आत्मविश्वास पैदा कर सकता है और उसकी डांट भी कभी-कभी जीवन की बड़ी भूल से बचा सकती है।इसलिए शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों को फूल, माला और शुभकामनाएं देने का अवसर नहीं होना चाहिए। यह आत्ममंथन का दिन भी होना चाहिए कि हम अपने शिक्षकों को कितना सम्मान देते हैं और हमारी शिक्षा व्यवस्था भावी पीढ़ी को किस दिशा में ले जा रही है।

हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो ज्ञान के साथ विवेक, सफलता के साथ संस्कार, अधिकार के साथ कर्तव्य और प्रतिस्पर्धा के साथ संवेदनशीलता दे। हमें ऐसे शिक्षक चाहिए जो विद्यार्थियों को केवल यह न बताएं कि जीवन में कैसे सफल होना है, बल्कि यह भी सिखाएं कि सफलता प्राप्त करने के बाद समाज और राष्ट्र के लिए कैसे उपयोगी बना है। आज जब दुनिया तकनीकी रूप से तेजी से आगे बढ़ रही है, तब मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता भले ही अनेक काम कर सके, लेकिन कबजा, संवेदना, नैतिकता और मानवीय विवेक का निर्माण अभी भी मानवीय शिक्षक ही कर सकता है।

सड़कें और फ्लाईओवर जनता की सुरक्षा की रीढ़

ऐसा नहीं है कि इसका समाधान संभव नहीं हैं। सबसे पहले, स्वतंत्र गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य किए जाएं। सामग्री की जांच प्रयोगशालाओं में हो और रिपोर्ट सावजनिक हो। ठेकेदारों के अलावा पर्यवेक्षण अधिकारियों पर भी व्यक्तिगत जवाबदेही तय हो। खराब काम पर सस्पेंशन, रिकवरी और कानूनी कार्रवाई।

डीपीआर तैयार करने में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानदंड लागू हों। सब-कॉन्ट्रैक्टिंग पर सख्ती हो। सड़कों के जीवनचक्र के अनुसार रखरखाव का बजट अलग से आवंटित हो। सीवर और ड्रेनेज सिस्टम के सड़क निर्माण के साथ समन्वय से बिछाया जाए। पारदर्शिता के लिए ठेके, सामग्री और निरीक्षण रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध हों। नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई का तंत्र बने।

एक ओर भारत बुनियादी ढांचे में भारी निवेश कर रहा है। लेकिन अगर गुणवत्ता की जगह केवल उद्घाटन समारोह और दावे रह जाएं, तो ये निवेश व्यर्थ साबित होंगे।

सड़कें और फ्लाईओवर जनता की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। खराब सामग्री और लापरवाह पर्यवेक्षण को बदरस्त नहीं किया जा सकता। संबंधित विभागों और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराए बिना इस समस्या का समाधान नहीं होगा। आम सच आ गया है कि कागजी दावों से आगे बढ़कर जमीनी गुणवत्ता सुनिश्चित करना होगा।

ऐसा नहीं है कि इसका समाधान संभव नहीं हैं। सबसे पहले, स्वतंत्र गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य किए जाएं। सामग्री की जांच प्रयोगशालाओं में हो और रिपोर्ट सावजनिक हो। ठेकेदारों के अलावा पर्यवेक्षण अधिकारियों पर भी व्यक्तिगत जवाबदेही तय हो। खराब काम पर सस्पेंशन, रिकवरी और कानूनी कार्रवाई। डीपीआर तैयार करने में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानदंड लागू हों। सब-कॉन्ट्रैक्टिंग पर सख्ती हो। सड़कों के जीवनचक्र के अनुसार रखरखाव का बजट अलग से आवंटित हो। सीवर और ड्रेनेज सिस्टम के सड़क निर्माण के साथ समन्वय से बिछाया जाए। पारदर्शिता के लिए ठेके, सामग्री और निरीक्षण रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध हों। नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई का तंत्र बने।

एक ओर भारत बुनियादी ढांचे में भारी निवेश कर रहा है। लेकिन अगर गुणवत्ता की जगह केवल उद्घाटन समारोह और दावे रह जाएं, तो ये निवेश व्यर्थ साबित होंगे।

सड़कें और फ्लाईओवर जनता की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। खराब सामग्री और लापरवाह पर्यवेक्षण को बदरस्त नहीं किया जा सकता। संबंधित विभागों और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराए बिना इस समस्या का समाधान नहीं होगा। आम सच आ गया है कि कागजी दावों से आगे बढ़कर जमीनी गुणवत्ता सुनिश्चित करना होगा।

मासूम बचपन पर मंडराता अपहरण का खतरा

तक पहुंचना जरूरी है ताकि उसी गिरोह के दूसरे बच्चे भी सुरक्षित किए जा सकें।

लंबी कानूनी प्रक्रिया भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। बच्चों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवार पहले ही मानसिक और सामाजिक पीड़ा से गुजरता है। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो न्याय की प्रतीक्षा स्वयं एक नई पीड़ा बन जाती है। इसलिए बाल अपहरण और मानव तस्करी के गंभीर मामलों की सुनवाई के लिए विशेष व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। तेज सुनवाई का अर्थ जल्दबाजी में न्याय करना नहीं बल्कि ऐसे मामलों को अनावश्यक देरी से बचाना होना चाहिए।

कठोर कानूनी भी ज़रूरी हैं। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि कानून का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। अपराधियों को सजा का भय तभी होगा जब जांच मजबूत हो और मुकदमे का परिणाम समय पर सामने आए। केवल कानून में कठोर प्रावधान जोड़ देने से समस्या खत्म नहीं होगी। पुलिस की जवाबदेही बढ़ानी होगी। जांच की गुणवत्ता सुधारनी होगी और अलग अलग राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा।

मानव तस्करी के मामलों में जिन राज्यों का नाम अधिक सामने आता है वहां विशेष निगरानी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों और ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां से बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाना आसान होता है। बस परिवहन और रेलवे नेटवर्क

के जरिए बच्चों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

परिवारों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को सुरक्षा के सामान्य नियमों के बारे में समझाना चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ जाना या उसके बहकावे में आना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। हालांकि पूरी जिम्मेदारी परिवारों पर डालना उचित नहीं होगा। सार्वजनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चे सुरक्षित माहौल में रह सकें और किसी घटना के बाद राज्य की मशीनरी तुरंत सक्रिय हो।

सबसे बड़ा सवाल हमारी संवेदनशीलता का है। लापता बच्चे का पोस्टर देखकर केवल आगे बढ़ जाना पर्याप्त नहीं है। उसके पीछे किसी मां की चिंता और किसी पिता की बेचैनी हो सकती है। जिस परिवार का बच्चा लापता होता है उसके लिए हर दरवाजे पर दस्तक एक उम्मीद होती है। इसलिए बच्चों के अपहरण को सामान्य अपराध मानकर छोड़ देना समाज के लिए खतरनाक होगा।

आज आवश्यकता ऐसे कानून और ऐसी व्यवस्था है जिसमें बच्चे का अपहरण करने वाला व्यक्ति ही नहीं बल्कि उसके पीछे काम करने वाला पूरा नेटवर्क कानून के शिकंजे में आए।

सहारनपुर में डीआईजी की जनसुनवाई

फरियादियों की समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

घनश्याम दास
उत्तर प्रदेश: सहारनपुर शासन के निदेशों के अनुपालन में मंगलवार 1 सितंबर को सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (DIG) अभिषेक सिंह ने परिश्रेतीय कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान सहारनपुर परिक्षेत्र के विभिन्न जनपदों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को डीआईजी ने गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर डीआईजी के समक्ष पहुंचे। डीआईजी ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित



अधिकारियों से मामले की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को केवल औपचारिकता के तौर पर न लिया जाए, बल्कि प्रत्येक मामले में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई

सुनिश्चित की जाए।

डीआईजी अभिषेक सिंह ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की जांच में पारदर्शिता

और निष्पक्षता बनाए रखी जाए तथा किसी भी शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया और प्रत्येक मामले में कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

बनाए रखने और उनके मामलों में की जा रही कार्रवाई की प्रगति के बारे में समय-समय पर जानकारी देने को कहा गया।

डीआईजी ने अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास कायम करने के लिए शिकायतों का सही तरीके से समाधान बेहद जरूरी है। जनसुनवाई के दौरान डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी पुलिसिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को न्याय का भरोसा मिलना चाहिए और प्रत्येक मामले में कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

NTPC केरेडारी कोल माइंस में ट्रांसपोर्टिंग को लेकर हुआ विवाद, स्थानीय विस्थापितों ने कंपनी पर लगाए गंभीर आरोप

मो. समीर
झारखण्ड: हजारीबाग केरेडारी स्थित NTPC कोल माइंस क्षेत्र में ट्रांसपोर्टिंग को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और हाइवा वाहन मालिकों ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति और भाड़े की दरों को लेकर बातचीत पूरी हुए बिना 'जय नंदिनी ट्रांसपोर्टिंग' ने रात के समय ट्रांसपोर्टिंग शुरू कर दी। इसको लेकर विस्थापित परिवारों और स्थानीय वाहन मालिकों में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, बीती रात फ्लट रेलवे साइडिंग की ओर दो भारी वाहनों के अचानक रवाना होने के बाद मामला सामने आया। उनका आरोप है कि स्थानीय हाइवा मालिकों के साथ सहमति नहीं बनने के बावजूद बाहर की गाड़ियों को काम में लगाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के स्थानीय वाहन मालिकों के रोजगार पर असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने क्षेत्र की खराब सड़कों का मुद्दा भी उठाया है।



उनका कहना है कि कोल माइंस क्षेत्र की सड़कों पहले से ही जर्जर हैं और भारी वाहनों के परिचालन से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में ट्रांसपोर्टिंग शुरू करने से पहले सड़क और स्थानीय समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय तत्व कथित तौर पर कंपनी के इस संचालन में सहयोग कर रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच

कराने की मांग की है। साथ ही ट्रांसपोर्टिंग में इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों, विशेषकर JH-16G-6586 और JH-04V-0971, की भूमिका और उनके मालिकों की जांच की मांग की गई है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई और कथित तौर पर मनमाने तरीके से ट्रांसपोर्टिंग जारी रही, तो वे आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी बड़े विरोध की स्थिति के लिए प्रशासन और संबंधित कंपनी जिम्मेदार होगी।

पंचायत भवन की डिजिटल लाइब्रेरी में तोड़फोड़, वाई-फाई सिस्टम और वाहनों को पहुंचाया नुकसान

रानू
उत्तर प्रदेश: महोबा कबरई ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत मझलवारा में पंचायत भवन परिसर में बनाई गई डिजिटल लाइब्रेरी में तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार रविवार शाम कुछ दबंग और असामाजिक तत्वों ने लाइब्रेरी परिसर में पहुंचकर जमकर तोड़फोड़ की। घटना के समय लाइब्रेरी में कुछ छात्र-छात्राएं डिजिटल माध्यम से पढ़ाई कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि लाइब्रेरी में पढ़ाई के लिए लगाए गए वाई-फाई सिस्टम को तोड़ दिया गया। इसके अलावा पंचायत भवन परिसर में खड़े वाहनों पर भी पत्थरबाजी कर उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की



व्यवस्था की गई है। इन लाइब्रेरियों के माध्यम से गांव के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में लाइब्रेरी में तोड़फोड़ की घटना से विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की यह पहली घटना नहीं है। आरोप है कि कुछ समय

पहले पंचायत में बनाए गए पार्क की तार वाली बाउंड्री को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इसके साथ ही छोटे बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए उपकरणों को भी उखाड़कर फेंक दिया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व की घटनाओं में शिकायत किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते तोड़फोड़ करने वालों के हौसले बढ़ते गए। अब डिजिटल लाइब्रेरी में हुई घटना के बाद ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने की मांग की है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी महोबा से मांग की है कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही पंचायत भवन, डिजिटल लाइब्रेरी और पार्क जैसी सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों और ग्रामीणों को सरकारी सुविधाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे।

विश्वकर्मा पूजा के नाम पर वेतन से 500 रुपये कटौती का किया विरोध, श्रमिक संगठन ने प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी

अरसद अली
छत्तीसगढ़: कोरबा एसईसीएल दीपका प्रबंधन द्वारा विश्वकर्मा पूजा के नाम पर मजदूरों के वेतन से प्रति कर्मचारी 500 रुपये की कटौती किए जाने का मामला सामने आया है। कोयला मजदूर पंचायत (HMS) ने इस कटौती को गैरकानूनी बताते हुए इसका विरोध किया है। संगठन ने कटौती तत्काल बंद नहीं होने पर 14 दिन बाद आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। कोयला मजदूर पंचायत (HMS) के पदाधिकारियों के अनुसार दीपका के स्टाफ ऑफिसर (एचआर) की ओर से पत्र क्रमांक 1166, दिनांक 19 अगस्त 2026 जारी कर कर्मचारियों के वेतन से 500 रुपये



काटने संबंधी सूचना दी गई है। संगठन का कहना है कि विश्वकर्मा पूजा पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाई जानी चाहिए तथा इतमें सभी श्रमिक संगठनों की भागीदारी भी होनी चाहिए, लेकिन मजदूरों के वेतन से इस तरह राशि काटना उचित नहीं है। संगठन ने वेतन

संहिता 2019 की धारा 18 का हवाला देते हुए कहा कि किसी जेसीसी या श्रमिक संगठन के कहने मात्र से कर्मचारियों के वेतन से इस प्रकार की कटौती करने का प्रावधान नहीं है।

संगठन ने प्रबंधन से गैरकानूनी कटौती तत्काल बंद करने की मांग की है। साथ ही श्रमिकों और श्रमिक संगठनों से अपील की गई है कि विश्वकर्मा पूजा के लिए प्रत्येक श्रमिक से स्वेच्छा से चंद एकत्र किया जाए। इस मामले को लेकर कोयला मजदूर पंचायत (HMS) के केंद्रीय सचिव संजय सिंह और केंद्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह तंवर ने 31 अगस्त 2026 को पत्र क्रमांक 334 के माध्यम से केंद्रीय श्रम आयोग, तोरवा नाका बिलासपुर,

महाप्रबंधक दीपका, स्टाफ ऑफिसर (एचआर) दीपका, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बिलासपुर और निदेशक (एचआर), एसईसीएल बिलासपुर को शिकायत दी। पदाधिकारियों ने केंद्रीय श्रम आयोग प्रवीण कुमार से मुलाकात कर उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया और पत्र सौंपा। संगठन के अनुसार श्रम आयोग ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए वेतन से की जा रही कटौती को गलत बताया और दीपका प्रबंधन को मोबाइल के माध्यम से अवैध कटौती रोकने के निर्देश दिए। संगठन ने कहा है कि यदि मजदूरों के वेतन से 500 रुपये की कटौती तत्काल प्रभाव से बंद नहीं की गई तो 14 दिन बाद आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

डारडाहिन्द में चुनाव बहिष्कार का हुआ ऐलान, चारों प्रत्याशियों ने वापस लिए नामांकन आवेदन



सहीरहमान
राजस्थान: टोंक नगर परिषद के वार्ड नंबर-2 डारडाहिन्द में ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे मतदान नहीं करेंगे। इसी फैसले के बाद गुरुवार को वार्ड से चुनाव मैदान में उठने चारों प्रत्याशियों ने अपने नामांकन आवेदन वापस ले लिए। जानकारी के अनुसार, बुधवार

को डारडाहिन्द में ग्रामीणों की बैठक हुई थी। बैठक में स्थानीय समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने मांगें पूरी नहीं होने तक मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। इसके बाद गुरुवार सुबह करीब 10 बजे चारों प्रत्याशी अपने आवेदन वापस लेने के लिए पहुंचे। मामले की जानकारी मिलने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों और प्रत्याशियों को समझाने का प्रयास किया।

एडीएम, नगर परिषद आयुक्त, एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार सहित अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आवेदन वापस नहीं लेने की अपील की और ग्रामीणों को उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। हालांकि, ग्रामीण अपने निर्णय पर अड़े रहे।

आखिरकार डारडाहिन्द से चुनाव लड़ रहे चारों प्रत्याशियों ने अपने नामांकन आवेदन वापस ले लिए। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी मांगों को प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने समरावता कांड का हवाला देते हुए कहा कि मांगें पूरी नहीं होने तक मतदान में हिस्सा नहीं लिया जाएगा। चारों प्रत्याशियों के नामांकन वापस लेने के बाद वार्ड नंबर-2 में चुनावी माहौल गरमा गया है। अब प्रशासन के सामने ग्रामीणों की मांगों को लेकर स्थिति संभालने और चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने की चुनौती है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी हुआ गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश



इंद्रेश कुमार पांडे
उत्तर प्रदेश: सोनभद्र अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोन थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे 27 वर्षीय आरोपी धर्मेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अजित कुमार और क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के पर्यवेक्षण में कोन थाना पुलिस वांछित आरोपियों की

गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही थी।

3 सितंबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कोन थाना क्षेत्र के चांचीकला पुलिस के पास घेराबंदी कर गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित आरोपी धर्मेन्द्र यादव पुत्र इंद्रजीत यादव, निवासी परती, थाना केतार, जनपद गढ़वा, झारखंड को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कोन थाने में मु0अ0सं0 143/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा उसके खिलाफ मु0अ0सं0 23/2026, धारा 3/5प/5बी/8 गैंगस्टर अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज है।

जनसुनवाई में मिली 11 शिकायतें, नगरायुक्त ने 3 समस्याओं का कराया तत्काल समाधान



घनश्याम दास
उत्तर प्रदेश: सहारनपुर नगर निगम की जनसुनवाई के दौरान आई ग्यारह समस्याओं में से तीन समस्याओं का नगरायुक्त शिपू गिरि द्वारा तत्काल निस्तारण कराया गया। स्ट्रीट लाइट व शेष अन्य समस्याओं के निस्तारण के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वार्ड 61 आजाद कॉलोनी निवासी शाहनवाज ने कॉलोनी में निर्मित रूप से सफाई कर्मचारी भेजकर सफाई कराने के लिए तथा वार्ड 13 ट्रांसपोर्ट नगर के निकट रहने वाले जितेंद्र कुमार गोयल ने आईटी ऑफिस ट्रांसपोर्ट नगर के सामने नाली सफाई कराने के लिए प्रार्थना

पत्र दिया। जिस पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों व सफाई मित्रों को भेजकर सफाई कराते हुए समस्या का समाधान करा दिया गया। इसके अतिरिक्त महानगर के वार्ड 16 साउथ सिटी निवासी दीपक गोयल ने साउथ सिटी में बड़ी हुई घास को कटवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया, जिस पर उद्यान विभाग के कर्मचारी को भेजकर समस्या का समाधान कराया गया।

वार्ड 38 न्यू भगवती कॉलोनी के संजय जैन, वार्ड 11 मर्वीकला निवासी स्वतंत्रपाल, वार्ड 13 गोविंद विहार जनता रोड निवासी मुकेश कुमार, वार्ड 48 आवास विकास दिल्ली रोड निवासी सतीश कुमार, वार्ड 58 मोहल्ला

कायस्थान निवासी मुकेश जैन तथा वार्ड 35 बंदी वाला बाग निवासी दीपचंद ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिए। नगरायुक्त ने पथ प्रकाश प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त गोबर से गर्दगी फैलाने व अतिक्रमण संबंधी दो समस्याएं और रही। जिन पर सम्बंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव, सहायक नगरायुक्त विकास धर दुबे, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र सहित सभी विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

रामपुर मनिहारन के नवागत कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार ने संभाला कार्यभार, अपराधियों को दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

घनश्याम दास
उत्तर प्रदेश: रामपुर मनिहारन नवागत कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को स्थानीय पत्रकारों के साथ परिचय एवं संवाद बैठक की। कोतवाली परिसर में आयोजित बैठक में पुलिस और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय एवं नियमित संवाद बनाए रखने को लेकर चर्चा हुई। बताया गया कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और अन्य पुलिस ड्यूटी में व्यस्तता के चलते नवागत प्रभारी निरीक्षक की पत्रकारों से औपचारिक मुलाकात नहीं हो सकी थी। मंगलवार को आयोजित बैठक में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे से परिचय प्राप्त किया और क्षेत्र से जुड़ी सूचनाओं के



आदान-प्रदान तथा पुलिस-पत्रकार समन्वय को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। पत्रकारों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को हरसंभव सहयोग देने की बात कही। इस दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने अपराधियों और असामाजिक तत्वों

को स्पष्ट चेतावनी दी कि क्षेत्र की कानून-व्यवस्था से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता नगर और ग्रामीण क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि गोकशी, अवैध नशे के कारोबार, जुआ-सट्टा और

महिलाओं के प्रति अपराध जैसी गतिविधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। अपराधिक गतिविधियों में संलग्न लोगों के प्रति पुलिस सख्त रुख अपनाएगी। वहीं पुलिस प्रशासन का सहयोग करने वाले जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों को पूरा सम्मान दिया जाएगा। कोतवाली प्रभारी ने गणमान्य नागरिकों और पत्रकारों से संधिस्थ गतिविधियों या अपराध की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने बताया कि सूचना स्थानीय पुलिस अथवा हेल्पलाइन नंबर 112 पर दी जा सकती है और सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। बैठक में नवागत कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सहित स्थानीय पत्रकार मौजूद रहे।

वाराणसी में जिला स्तरीय बालिका शतरंज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, 15 खिलाड़ियों का मंडलीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

इंद्रेश कुमार पांडे
उत्तर प्रदेश: वाराणसी पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, वाराणसी के प्रांगण में गुरुवार को जिला स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय बालिका शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग की छात्राओं ने हिस्सा लेकर अपनी शतरंज प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या निशा यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उपप्रधानाचार्या अर्चना सिंह भी मौजूद रहीं। प्रतियोगिता में वाराणसी के 10 जोन से कुल 35 मेधावी छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के



दौरान छात्राओं ने शतरंज की बिसात पर अपनी रणनीति और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया। सभी मुकाबले शारीरिक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की देखरेख में कराए गए। मंच का संचालन ममता दुबे और सुनैना चंदेल ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन

करने वाली 15 खिलाड़ियों का चयन आगामी मंडलीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अंडर-19 वर्ग में आरती राजभर, अर्चना शर्मा, साहिबा खान, शीतल साहू, अंशु जादवी, जबकि अंडर-17 वर्ग में अनुष्का, अंकिता प्रजापति, संस्कृति मिश्र, नंदिनी यादव और पावनी यादव का चयन

हुआ। इसी तरह अंडर-14 वर्ग में स्वास्तिक केशरी, आस्था कुमार, शिवानी, आराध्या मिश्रा और श्वेता यादव मंडलीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। चर्चनीत खिलाड़ी आगामी मंडलीय शतरंज प्रतियोगिता में पीएम श्री राजकीय कवीस कॉलेज, वाराणसी में प्रतिभाग करेंगी। आयोजन में डॉ. धनंजय त्रिपाठी, डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. राजीव प्रताप सिंह, जया सिंह, रेखा रानी, ताज, राजीव श्रीवास्तव, कांता रानी, प्रिया मिश्रा और कविता राय सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में मैच व्यवस्थापक अरुण शर्मा, रेखा पटेल, प्रियंका यादव, सुधा शर्मा, प्रतिभा जासवाल और प्रियंका कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

त्योहारों को लेकर शामली पुलिस हुई अलर्ट

बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर किया पैदल गश्त

घनश्याम दास
उत्तर प्रदेश: शामली आगामी त्योहारों और सार्वजनिक एवं निजी आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शामली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह के निर्देशन में मंगलवार को जिले के प्रमुख बाजारों, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पैदल गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने प्रमुख स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी के माध्यम से आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने का प्रयास किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों और दुकानदारों से संपर्क कर उनकी समस्याओं और सुरक्षा संबंधी जानकारी भी



ली। पुलिस ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि अथवा व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल स्थानीय

पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान को गोपनीय रखा जाएगा। शामली पुलिस के अनुसार आगामी त्योहारों और विभिन्न आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए बाजारों, चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की निगरानी बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार गश्त एवं चेकिंग करते रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सभी त्योहारों और आयोजनों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। अधिकारियों ने आमजन से भी पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल देने की अपील की है।

बोडेली नगरपालिका के कामकाज पर AAP ने उठाए सवाल, डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

खत्री रफाकत इदरीशभाई
गुजरात: बोडेली नगरपालिका के प्रशासनिक कामकाज को लेकर आम आदमी पार्टी की स्थानीय इकाई ने सवाल उठाते हुए डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि नगरपालिका में विभिन्न कार्यों के लिए आने वाले नागरिक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बावजूद अनावश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाओं और सवालों का सामना कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि आवेदकों से निर्वाचित संदस्यों के माध्यम से पहचान संबंधी जानकारी मांग जाने के कारण लोगों को नगरपालिका कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। AAP ने मांग की कि



नागरिकों द्वारा सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल, सुगम और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। ज्ञापन में बोडेली-हालोल स्टेट हाईवे पर डिवाइडर के ऊपर मां रेसिडेंसी तक जल्द स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग भी की गई। इसके अलावा हाईवे किनारे स्थित विभिन्न सोसायटियों के आसपास खुले में फेंके जा रहे

पिकनिक से लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा, बाइक टकराने से युवक की हुई मौत, साथी हुआ गंभीर रूप से घायल

इंद्रेश कुमार पांडे
उत्तर प्रदेश: सोनभद्र करमा थाना क्षेत्र के बारी महेवा गांव निवासी दो युवकों के लिए पिकनिक से घर लौटना दर्दनाक हादसे में बदल गया। राबट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के सजौर के पास बुधवार शाम उनकी बाइक सड़क किनारे खड़ी एक अन्य बाइक से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, बारी महेवा निवासी किशन मौर्य (25) पुत्र सुभाष मौर्य उर्फ मुन्ना और राजेश चौहान (23) पुत्र नंदू चौहान बुधवार को बाइक से पिकनिक मनाने निकले थे। दोनों पहले डोगिया बांध पहुंचे और इसके बाद धंधरौल बांध गए। बताया जा रहा है कि शाम करीब



सात बजे दोनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सजौर के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़ी एक अन्य बाइक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने किशन मौर्य को मृत घोषित कर दिया। वहीं राजेश चौहान की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया।

जय नंदिनी ट्रांसपोर्टिंग शुरू होते ही बिगड़ी सड़क व्यवस्था, जाम से परेशान हुए ग्रामीण

शाहिद अफरीदी
झारखण्ड: केरेंडारी एनटीपीसी केरेंडारी कोल माईंस में जय नंदिनी ट्रांसपोर्टिंग शुरू होने के बाद क्षेत्र की सड़क व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। भारी हाईवा वाहनों की आवाजाही बढ़ने से पहले से जर्जर सड़क की स्थिति और खराब हो गई है। बुधवार को खराब सड़क में एक ग्रामीण की चार पहिया गाड़ी फंस गई। इसके बाद कोयला लदे हाईवा वाहनों की लंबी कतार लग गई और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। जाम के कारण आम लोगों का आवागमन घंटों प्रभावित रहा। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पहले से ही दो ट्रांसपोर्टर्स द्वारा कोयला परिवहन किया जा रहा है। ऐसे में तीसरे ट्रांसपोर्टर के जरिए परिवहन शुरू होने से सड़क पर



वाहनों का दबाव और बढ़ गया है। ग्रामीण पहले से ही सड़क चौड़ीकरण और पूर्ण मरम्मत की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि विरोध के बावजूद जय नंदिनी कंपनी ने रात के समय परिवहन कार्य शुरू कर दिया। इसके बाद से जाम और आवागमन की समस्या लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों ने एनटीपीसी प्रबंधन और जिला प्रशासन से सड़क की स्थिति की जांच कर जल्द चौड़ीकरण एवं मरम्मत कराने की मांग की है।

महोबा में हुआ भव्य कजली मेला जुलूस, झांकियों और हाथी-घोड़ों ने बढ़ाई शोभा



रनू
उत्तर प्रदेश: ऐतिहासिक कजली मेला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस मौके पर आयोजित जुलूस में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालु और दर्शक शामिल हुए। प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी गजल भारद्वाज और पुलिस

प्रदर्शित किया गया। कजली मेला बुदेलखंड की लोक संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा प्रमुख आयोजन है। जुलूस में विभिन्न समुदायों के लोगों ने हिस्सा लेकर आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया। जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रमुख चौराहों, जुलूस मार्ग और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस ने मिलकर व्यवस्था संचाली। पुलिस प्रशासन ने लोगों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

सहारनपुर में ‘ऑपरेशन क्लीन’ के तहत हुई कार्रवाई, 1030 लीटर शराब और 14 तमंचे हुए नष्ट



राकेश कुमार शर्मा
उत्तर प्रदेश: सहारनपुर थाना बड़गांव पुलिस ने लंबित माल मुकदमाती के निस्तारण के लिए चलाए जा रहे अभियान ‘ऑपरेशन क्लीन’ के तहत कार्रवाई की। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आबकारी, शस्त्र और जुआ अधिनियम से जुड़े मामलों में जब सामान का नियमानुसार निस्तारण कराया गया। कार्रवाई के दौरान आबकारी अधिनियम के 26 मुकदमों से संबंधित 1030 लीटर कुच्ची/देशी शराब और हरियाणा मार्को अग्निजी शराब की 420 बोतलें नष्ट कराई गईं। पुलिस के अनुसार,

शराब की अनुमानित कीमत करीब 4.16 लाख रुपये थी। शराब को गड़्डे में दबाकर विनष्ट कराया गया। वहीं, शस्त्र अधिनियम से संबंधित 14 अवैध देशी तमंचों को तुड़वाकर नष्ट किया गया। इसके अलावा जुआ अधिनियम के 24 मुकदमों से संबंधित ताश, पर्चे और अन्य सामान का भी निस्तारण कराया गया। इन मामलों से संबंधित 23,025 रुपये राजकीय कोष में जमा कराए जाएंगे। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में की गई।

चलादर डेयरी में अनियमितताओं के लगे आरोप, जांच की मांग हुई तेज

मकवाना विपुलभाई भावाभाई
गुजरात: चलादर दुग्ध उत्पादक सहकारी मंडली के संचालन को लेकर कई गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। एक प्रेस नोट के माध्यम से मंडली के मंत्री, चेयरमैन और सदस्यों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। प्रेस नोट में आरोप लगाया गया है कि मंडली में वर्षों से नियमानुसार चुनाव नहीं हुए हैं और कुछ लोगों को कथित रूप से पहले से सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा निजी जमीन पर दूधघर का निर्माण किए जाने और जमीन को लेकर कोई किराया समझौता नहीं होने का भी दावा किया गया है। मंडली में करीब 15 लाख रुपये के ऋण दिए जाने को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि कुछ पशुपालकों, सदस्यों और कथित गैर-सदस्यों को ब्याज पर ऋण दिया गया तथा इसकी वसूली दूध के भुगतान से की जा रही है। इसके अलावा अजय उर्फ



अजाभाई करशनभाई फोक को चेयरमैन बनाए जाने और कुछ अन्य लोगों के नाम कथित रूप से सदस्य के तौर पर दर्ज किए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। प्रेस नोट में समर्थकों को मुफ्त दूध और मासिक रकम दिए जाने सहित मंडली के संचालन से जुड़े कई अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। मंडली के पदाधिकारियों की संपत्ति और निर्माण कार्यों को लेकर भी जांच की मांग की गई है। प्रेस नोट में खेत में बंगले और करीब 50

लाख रुपये की लागत से तबले के निर्माण का उल्लेख करते हुए धन के स्रोत की जांच की मांग की गई है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। प्रेस नोट जारी करने वाले पक्ष ने सहकारी विभाग, रजिस्ट्रार कार्यालय और संबंधित डेयरी प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि पशुपालकों के हितों की रक्षा और मंडली के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

सिवान में विरोध-प्रदर्शन से पहले प्रशासन हुई अलर्ट, डीएम-एसपी ने किया पलैंग मार्च

राकेश कुमार पासवान
बिहार: सिवान 25 जुलाई को छात्र संगठनों और कुछ राजनीतिक दलों द्वारा प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन एवं बिहार बंद को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय और पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा के नेतृत्व में शहर के प्रमुख मार्गों पर पलैंग मार्च निकाला गया। पलैंग मार्च जेपी चौक से शुरू होकर थाना मोड़, बबुनिया मोड़, मखदुम मोड़, तेलहट्टा बाजार और गल्ला पट्टी होते हुए थाना मोड़ पर समाप्त हुआ। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा अफवाहों से दूर रहने की अपील की।



जिलाधिकारी ने कहा कि शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में विरोध-प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, यातायात बाधित करने और जनजीवन प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक या अशुद्ध जानकारी साझा करने की अपील की। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है

और लगातार गश्त व निगरानी की जा रही है। सिवान जंक्शन पर भी आरपीएफ और इंटेलिजेंस ब्रांच को सक्रिय किया गया है तथा स्टेशन परिसर और दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाई गई है जिला प्रशासन ने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने की अपील की है।

रानीगंज की राजनीति में हुआ बड़ा बदलाव, पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला सपा में हुआ शामिल

सर्वेश कुमार
उत्तर प्रदेश: रानीगंज विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में शनिवार को अहम सियासी घटनाक्रम देखने को मिला। पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला ने भाजपा से नाता तोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राम शिरोमणि शुक्ला वर्ष 2007 में रानीगंज विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। उनके सपा में शामिल होने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले रानीगंज में बदलते सियासी समीकरणों के तौर पर देखा जा रहा है। 2027 के



विधानसभा चुनाव को लेकर सभी प्रमुख दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। ऐसे में पूर्व विधायक का सपा में जाना पार्टी के लिए कितना फायदेमंद साबित होगा, इसको लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि क्या समाजवादी पार्टी आगामी चुनाव में राम शिरोमणि शुक्ला को रानीगंज से अपना उम्मीदवार बनाएगी। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक उनकी उम्मीदवारी को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जलभराव और बाढ़ के बीच एसडीएम ने संभाला मोर्चा, पंप लगावाकर शुरू कराई पानी की निकासी



इंद्रेश कुमार पांडे
उत्तर प्रदेश: प्रयागराज यमुनापात्र के कछुना तहसील क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश और टोंस नदी के बढ़ते जलस्तर से कई गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए एसडीएम करछुना संदीप तिवारी ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। एसडीएम सबसे पहले घोड़ेडीह गांव पहुंचे। यहां किसानों के खेतों और लोगों के

घरों के आसपास पानी भरा मिला। स्थिति को देखते हुए उन्होंने मौके पर ही पंप लगावाकर पानी की निकासी शुरू कराई। साथ ही संबंधित कर्मचारियों को जलभराव वाले अन्य स्थानों से भी तत्काल पानी निकालने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम ने टोंस नदी की बाढ़ से प्रभावित गांवों और बस्तियों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और संबंधित अधिकारियों को प्रभावित लोगों की

पेशानियों का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी के साथ राहत कार्यों की लगातार निगरानी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रभावित इलाकों में सतर्क रहने तथा जरूरत के अनुसार तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त

आर्सेनल में शामिल होकर बहुत अच्छा लग रहा: ब्रूनो गुइमारेस

नई दिल्ली, एंजेसी। प्रीमियर लीग 2026-27 सीजन की शुरुआत हो चुकी है। सभी टीमें सीजन की शानदार शुरुआत के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल के लिए शुरुआती कुछ मैच सकारात्मक रहे हैं। आर्सेनल ने अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और 6 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। नए सीजन में फैस की नजरें स्टार मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेंस पर टिकी हैं। गुइमारेंस को आर्सेनल ने न्यूकैसल यूनाइटेड से खरीदा है। गुइमारेंस ने कहा है कि आर्सेनल में शामिल होकर उन्हें अच्छा लग रहा है। अगले मैच से पहले जियोहॉटस्टार से बात करते हुए ब्रूनो गुइमारेंस ने कहा, "आर्सेनल में शामिल होकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस मौके के लिए शुक्रगुजार हूं।

भारत में होगी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी, 6 टीमें लेंगी हिस्सा

मुंबई और वडोदरा में 14 से 28 फरवरी तक होंगे मुकाबले
नई दिल्ली, एंजेसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की मेजबानी भारत को सौंप दी है। टूर्नामेंट का आयोजन 14 से 28 फरवरी 2027 तक मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। छह टीमों वाली इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का फाइनल 28 फरवरी को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के मुकाबले मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होंगे। प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। सभी छह टीमों ने 06 जुलाई की आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी स्थिति के आधार पर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। प्रतियोगिता का प्रारूप राउंड-रॉबिन लीग का होगा।

आईसीसी ने पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की मेजबानी भारत को सौंपी

मुंबई, एंजेसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने प्रशासनिक सुधारों को समय पर पूरा न करने के कारण श्रीलंका से पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी वापस ले ली है। अब यह बहुप्रतीक्षित टी20 टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी 2027 के बीच भारत के मुंबई और वडोदरा के चुनिंदा स्टेडियमों में खेला जाएगा। शीर्ष छह टीमों की भागीदारी और पाकिस्तान की अनुपस्थिति इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में दुनिया की टॉप छह महिला क्रिकेट टीमों हिस्सा लेंगी, जिसमें मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं।

जूनियर एशिया कप में रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने उतरेगी भारतीय टीम

मोकी (चीन), एंजेसी। भारत की अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की कोशिश करेगी, जबकि महिला टीम लगातार तीसरी ट्रॉफी जीतने के लिए मैदान पर उतरेगी। महिला टीम पिछले दो बार की चैंपियन है। इस बार उसकी अगुवाई मिडफील्डर खेदेम शिलेमा चानू कर रही हैं। महिला टीम ने इस साल की शुरू में पद संभालने वाले मुख्य कोच टिम व्हाइट की देखरेख में कड़ा अभ्यास किया है। टीम ने इस दौरान अपनी तैयारी के सिलसिले में ब्रिटेन का दौरा भी किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम, अमेरिका अंडर-21, इंग्लैंड अंडर-21 और बेल्जियम अंडर-21 के खिलाफ मैच खेले। एलीट पूल में शामिल भारत पांच सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान का शुरुआत करेगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: गिल और बुमराह को नुकसान देवदत्त पडिक्कल की बड़ी छलांग

● **पंत सातवें स्थान पर हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 11वें स्थान पर बरकरार**

दुबई, एंजेसी।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर नौवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के मेट हेनरी गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक लगाने वाले देवदत्त पडिक्कल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है।

वह पांच स्थान की छलांग

लगाकर 54वें स्थान पर पहुंच गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भारतीय बल्लेबाजों में अब भी सबसे ऊंची रैंकिंग पर कायम हैं।

पंत सातवें स्थान पर हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 11वें स्थान पर बरकरार हैं।

हाल ही में समाप्त हुई भारत-

यूएस ओपन: सोफिया केनिन को हराकर तीसरे राउंड में पहुंचीं जेसिका पेगुला

न्यूयॉर्क, एंजेसी।

नंबर 3 सीड जेसिका पेगुला ने बुधवार को यूएस ओपन में शानदार और दबदबे वाला खेल दिखाते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सोफिया केनिन को हराकर महिला सिंगल्स के तीसरे राउंड में जगह बनाई। न्यूयॉर्क में लगातार सातवें साल वह इस स्टेज तक पहुंची हैं।

दोनों खिलाड़ियों के बीच यह सातवां आमना-सामना था, और पेगुला ने जबरदस्त फॉर्म दिखाते हुए सिर्फ 56 मिनट में 6-3, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला ने इस सीजन में अपना कुल रिकॉर्ड 47-12 और केनिन के खिलाफ 5-2 कर लिया है। केनिन ने अनुभवी वीनस विलियम्स को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई थी।

2016 और 2021 के बीच खेले गए उनके शुरुआती चार मुकाबलों

सबालेंका आसान जीत के साथ तीसरे दौर में

● **मैंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और इस मैच में जीत हासिल करने से मैं खुश हूं**

न्यूयॉर्क, एंजेसी।

पिछली दो बार की चैंपियन एरिना सबालेंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आसान जीत के साथ बारिश से प्रभावित यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने बुधवार रात को पोलिना इयास्केनको को केवल 53 मिनट में 6-1, 6-1 से हरा दिया। वह पिछले कुछ टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी लेकिन यहां उन्होंने पावर-हिटिंग का ऐसा नमूना पेश किया कि लगता है कि वह अपनी असली फॉर्म में आ गई हैं।

सबालेंका ने कहा, "आज मैंने जिस तरह का टेनिस खेला उससे मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपने खेल पर

टेस्ट सीरीज

पुलिस जांच के दायरे में ब्राइडन कार्स, पाकिस्तान के खिलाफ अंतिम टेस्ट से बाहर

बर्मिंघम, एंजेसी।

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में 9 सितंबर से तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच की शुरुआत होगी, जिसके लिए इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स को 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा है। डर्बी में गिरफ्तारी के बाद कार्स अभी भी पुलिस जांच के दायरे में हैं।

31 वर्षीय कार्स को 22 अगस्त को एक नाइटक्लब के बाहर गिरफ्तारी के बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। डर्बीशायर पुलिस ने पुष्टि की है कि वे मारपीट के आरोपों की जांच कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते रूलसेक्टरशायर के



रॉबिन्सन और टंग की भी शानदार उछाल

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और जोश टंग की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। दोनों टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे रॉबिन्सन ने प्रत्येक पारी में चार-चार विकेट लिए और मैच में कुल आठ विकेट लेकर 35 रन दिए। वह छह स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रृंखला शुरू होने के बाद से वह 22 स्थान ऊपर चढ़ चुके हैं। टंग ने मैच में पांच विकेट लेकर चार स्थान की छलांग लगाई और करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग हासिल की। श्रृंखला के दौरान उनकी रैंकिंग में 20 स्थान का सुधार हुआ है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने भी लगातार अच्छे प्रदर्शन का फायदा उठाया है। एक मैच में नौ विकेट लेने के बाद वह 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के सऊद शाकील को भी बड़ा फायदा हुआ है। दूसरी पारी में 97 रन की उनकी पारी से वह 15 स्थान ऊपर उठकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। वह अब अपने देश के कप्तान बाबर आजम के बाद दूसरे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं।

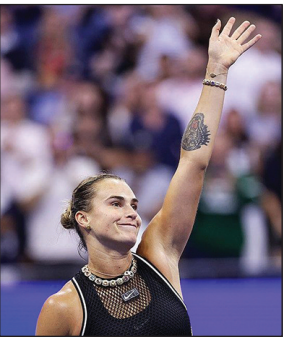
तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कारों की घोषणा



में से सभी तीन सेट तक चले थे, लेकिन यह मुकाबला सबसे आसान रहा। तब से, पेगुला ने लगातार सेटों में तीन जीत हासिल की हैं, लेकिन यह पहली बार था जब उन्होंने आठ से कम गेम गंवाए।

साल 2024 की रनर-अप पेगुला का अगला मुकाबला 2021 की रनर-अप और नंबर 31 सीड लेयला फर्नांडीज से होगा, जिन्होंने इस हफ्ते से पहले 2026 में कोई ग्रैंड स्लैम मैच नहीं जीता था।

सबालेंका आसान जीत के साथ तीसरे दौर में



ध्यान केंद्रित किया और इस मैच में जीत हासिल करने से मैं खुश हूं।"

बारिश होने के कारण केवल आर्थर ऐश स्टेडियम और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में छत के नीचे ही खेल निर्बाध रूप से जारी रह सका।

तीसरे दौर में जगह बनाने वाली खिलाड़ियों में जेसिका पेगुला भी शामिल थी, जिन्होंने सोफिया केनिन को 6-3, 6-1 से हराने में केवल 56 मिनट का समय लिया।

पुरुष वर्ग में आठवें वरीय बेन शेल्टन ने ब्लूबर्ट हुरकाज को 6-3,

5-7, 7-6 (3), 7-5 से, जबकि सातवें वरीय दानिल मेदेवेदेव ने सेबेस्टियन गोरजनी को 6-3, 6-3, 7-5 से हराया।

बारिश के कारण कई मैच स्थगित कर दिए गए थे और आलम यह था कि पहले दौर के कुछ मैच भी बुधवार को खेले गए। इनमें ऑस्ट्रेलिया के छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलेक्स डी मिनीर का मैच भी था जिन्होंने इटली के एंड़िया गुरिएरी को 6-2, 6-2, 6-4 से हराया।

पाउला बडोसा ने कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि डारिया कासात्मिका के खिलाफ अपने मैच की फिर से शुरुआत के लिए कैसे तैयारी करनी है, जो मंगलवार को तब रोक दिया गया था जब वह जीत से सिर्फ एक गेम दूर थीं।

उन्होंने बुधवार को 6-1, 6-4 से जीत के बाद कहा, "मुझे नहीं पता था कि मैं सिर्फ दो अंक खेलूंगी या छह। मुझे नहीं पता था कि मैं कितने अंक खेलूंगी।

शान्तो की एशियन गेम्स के लिए बंगलादेश की टी 20 टीम में वापसी

ढाका, एंजेसी। बंगलादेश ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले आगामी एशियन गेम्स के लिए सीनियर बल्लेबाज नजमुल हुसैन शान्तो को अपनी टी 20 टीम में वापस बुलाया है।

शान्तो, जिन्होंने हाल ही में डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बंगलादेश को एक यादगार टेस्ट जीत दिलाई थी, इस महीने के आखिर में होने वाले गेम्स के लिए चुनी गई 15 खिलाड़ियों की मजबूत टीम में सबसे अहम नाम हैं। लिटन दास बंगलादेश की कप्तानी करने के लिए वापस आ गए हैं; वे हाल ही में टी20 की दो सीरीज में नहीं खेल पाए थे – चोट के कारण घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और लंका प्रीमियर लीग की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए जिम्बाब्वे में।

कड़े कदम उठाने के बावजूद पाकिस्तान के सामने और अनिश्चितता बनी हुई है

पुलिस जांच के दायरे में ब्राइडन कार्स, पाकिस्तान के खिलाफ अंतिम टेस्ट से बाहर

जगह लेने वाले 23 वर्षीय अनकैप्ट तेज गेंदबाज सोनी बेकर टीम में अपनी जगह बनाए हुए हैं। तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें टीम से बाहर किया गया है, क्योंकि इंग्लैंड बर्मिंघम में 3-0 से सीरीज जीतने का लक्ष्य बना रहा है। हेडिंग्ले में एक पारी और 103 रनों की जीत और लॉर्ड्स में 194 रनों की जबरदस्त जीत के बाद इंग्लैंड सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है।

टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद श्रीलंका के खिलाफ छह व्हाइट-बॉल मैच होने हैं, ऐसे में इंग्लैंड का मैनेजमेंट जोफ्रा आर्चर, गस एट्किंसन और जोश टंग जैसे अहम

श्रीलंका टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले श्रीलंका के सोनल दिनुषा दो शतकों की बदौलत करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। अपने पहले पांच टेस्ट में उनका बल्लेबाजी औसत 86.57 रहा है।

भारतीय टीम के ध्रुव जुरेल ने नाबाद 115 रन की पारी के दम पर 83वें से 65वें स्थान पर छलांग लगाई। श्रीलंका के पसिंदु सोरियाबंडारा ने अपने दूसरे ही टेस्ट में 80 और 92 रन बनाए, जिससे वह 170 स्थान ऊपर उठकर 74वें स्थान पर पहुंच गए। कामिंदु मंडिस भी दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने के बाद फिर से शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं।

गेंदबाजों में श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो चार स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के स्पिनर मानव सुथार ने भी चार स्थान की छलांग लगाकर 44वां स्थान हासिल किया, जबकि मोहम्मद सिराज एक स्थान ऊपर उठकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आकिष नबी का सरे के लिए काउंटी चैंपियनशिप में पदार्पण

● **आकिष नबी ने जम्मू-कश्मीर की ओर से शानदार घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी**

लंदन, एंजेसी।

भारतीय तेज गेंदबाज आकिष नबी ने बुधवार को सरे की ओर से यॉर्कशायर के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में पदार्पण किया। 29 वर्षीय नबी तीन मैचों के लिए सरे से जुड़े हैं और उनका लक्ष्य टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देना है।

नबी को द ओवल में डिवीजन-1 के मुकाबले के लिए सरे की अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। वह इसके बाद होव में ससेक्स और फिर घरेलू मैदान पर



ग्लेमोर्नन के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध रहेंगे।

नबी ने जम्मू-कश्मीर की ओर से शानदार घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने 60 विकेट हासिल किए और उनका गेंदबाजी औसत 12.56 रहा। फाइनल में भी उन्होंने पांच विकेट

अल्काराज पहला सेट गंवाने के बाद यूएस ओपन के तीसरे दौर में

● **ईमानदारी से कहूं तो मैं इस मैच को जल्दी समाप्त करना चाहता था : अल्काराज**

न्यूयॉर्क, एंजेसी।

मौजूदा चैंपियन और अप्रैल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे कार्लोस अल्काराज ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद लगातार आठ गेम जीते और बुधवार रात को जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मैं इस मैच को जल्दी समाप्त करना

प्रिया मोहन ने 400 मीटर रेस में रूपल चौधरी को हराया



मेरठ, एंजेसी।

मेरठ में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज 2026 के 15वें चरण में भारत की दो होनहार क्वार्टर-माइलर्स (400 मीटर धावकों) के बीच मुकाबले में, प्रिया मोहन ने रूपल चौधरी को हराकर महिलाओं की 400 मीटर रेस जीती। कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेलते हुए, प्रिया ने 54.21 सेकंड का समय लेकर रूपल को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 54.89 सेकंड में रेस पूरी की। मनीषा 55.36 सेकंड के साथ शीर्ष तीन में शामिल रहीं।

23 वर्षीय प्रिया मिक्सड 4×400 मीटर रिले में वर्ल्ड अंडर 20 चैंपियनशिप की सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। प्रिया और रूपल दोनों उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने कैली में वर्ल्ड अंडर 20

नुरिकन दौर से गुजर रहा है सरे
नबी का सरे से जुड़ना टीम के लिए महत्वपूर्ण समय पर हुआ है। सरे ने साल 2022 से 2024 तक लगातार तीन बार काउंटी चैंपियनशिप का खिताब जीता था और पिछले साल उपविजेता रहा था। हालांकि इस सत्र में टीम 10 मैचों में केवल एक जीत हासिल कर सकी है। सरे फिलहाल डिवीजन-1 में आठवें स्थान पर है और वह रेलिंगेशन क्षेत्र से सिर्फ तीन अंक ऊपर है। ऐसे में टीम को अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने के लिए नबी से काफी उम्मीदें हैं। सरे के पुरुष क्रिकेट निदेशक एलेक स्टीवर्ट ने कहा कि टीम को अपने गेंदबाजी संसाधनों को मजबूत करने की जरूरत है क्योंकि छह सप्ताह में छह मुकाबले खेलने हैं और मैचों के बीच खिलाड़ियों को आराम और रिकवरी के लिए ज्यादा समय नहीं मिलेगा।

लेकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

अल्काराज पहला सेट गंवाने के बाद यूएस ओपन के तीसरे दौर में



चाहता था। लेकिन मैच के चार सेट तक खिंचना मेरे लिए अच्छा रहा क्योंकि इससे मुझे अपनी फिटनेस का पता चल गया।"

दूसरे वरीयता प्राप्त अल्काराज ने पहले सेट के बीच में अपनी सर्विस

गंवा दी, लेकिन इसके बाद उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर दी।

उन्होंने कहा, "इसके बाद मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। मैंने शांत रहने की कोशिश की और मैं सोच रहा था कि सब कुछ अच्छा होगा।" अल्काराज ने पिछले साल

स्पोर्ट्स

नई दिल्ली 28 अगस्त से 03 सितम्बर 2026

प्रिया मोहन ने 400 मीटर रेस में रूपल चौधरी को हराया



चैंपियनशिप 2022 में 3:17.76 के

एशियन अंडर 20 रिकॉर्ड के साथ सिल्वर मेडल जीता था। 2023 में फेफड़े के कोलेप्स (सांस लेने में दिक्कत) के कारण प्रिया का करियर बाधित हुआ था, जिसके बाद पिछले साल उन्होंने धीरे-धीरे रेंसिंग में वापसी की। रूपल, जिन्होंने पिछले साल एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में व्यक्तिगत 400 मीटर में सिल्वर मेडल जीता था, घुटने की चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी कर रही थीं।

प्रिया महिलाओं की 200 मीटर रेस में भी शीर्ष तीन में रहीं और 24.78 सेकंड का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहीं। हरिता भट्टा ने 23.36 सेकंड में जीत हासिल की, जबकि निमेषा सिद्धी 24.67 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

अल्काराज ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना सातवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था लेकिन कलाई की चोट के कारण वह इसके बाद फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे। इस तरह से उन्होंने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार 16 मैच जीतने का सिलसिला जारी रखा है।

इससे पहले वह गर्मियों में भारत ए का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। हालांकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका नहीं मिला लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन ने लाल गेंद क्रिकेट में उनके तेजी से बढ़ते कद को दर्शाया।

फाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ मुकाबले तक एक भी सेट नहीं हारा था। उन्होंने तब सिनर को चार सेटों में हराकर यूएस ओपन में अपना दूसरा खिताब जीता था। अल्काराज ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना सातवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था लेकिन कलाई की चोट के कारण वह इसके बाद फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे। इस तरह से उन्होंने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार 16 मैच जीतने का सिलसिला जारी रखा है।

लोगों के विरोध के बाद हैम्पशायर ने कुगेलिन

को टीम से हटाया

लंदन, एंजेसी। प्रशंसकों के विरोध के बादc स्कॉट कुगेलिन को क्लब की टीम से हटा दिया है। उन्हें वॉर्किशायर के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप मैच के लिए 15

सदस्यीय टीम में शामिल किए जाने के एक दिन बाद ही यह फैसला लिया गया। क्रिकबजट की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया पर उनके चयन का काफी विरोध हुआ, जिसके बाद क्लब ने आज जारी एक बयान जारी कर पुष्टि की कि कुगेलिन अब क्लब का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। उन्हें चैंपियनशिप के आखिरी चार मैचों के लिए क्लब से जुड़ना था।

बयान में कहा गया, "अपने स्टाफ और समर्थकों की प्रतिक्रिया पर विचार करने के बाद, हैम्पशायर क्रिकेट पुष्टि करता है कि स्कॉट कुगेलिन क्लब का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। हम अपने प्रशंसकों के जुनून का सम्मान करते हैं और उन सभी को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने अपने विचार साझा करने के लिए समय निकाला। अब हमारा ध्यान प्रशंसकों के आखिरी चार काउंटी चैंपियनशिप मैचों में टीम का समर्थन करने पर है।



पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी साथ नजर आएगी

एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'सिंह वर्सेस कोर 2' के प्रमोशन में बिजी हैं। दिल्ली में हुए एक मीडिया मीट के दौरान दोनों ने फिल्म से जुड़े अपने एक्सपेरियंस शेयर किए और बताया कि वह फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी पर्दे पर साथ नजर आएगी। फिल्म 11 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें कॉमेडी, रोमांस, इमोशन, एक्शन और ड्रामा का पूरा डोज देखने को मिलेगा।

बातचीत में गिप्पी ग्रेवाल ने फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'सिंह वर्सेस कोर 2' को लेकर मैं काफी एक्साइटड हूँ और मुझे उम्मीद है कि

दर्शक इसे पसंद करेंगे। मैं और शहनाज गिल पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म के पहले पार्ट को दर्शकों का काफी प्यार मिला था और इसी वजह से दूसरे पार्ट से भी हमारी काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म में कॉमेडी, लव स्टोरी, इमोशन, एक्शन और ड्रामा सब कुछ देखने को मिलेगा। पंजाबी सिनेमा में इस तरह की फिल्में कम देखने को मिलती हैं, इसलिए यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस साबित होगी।'

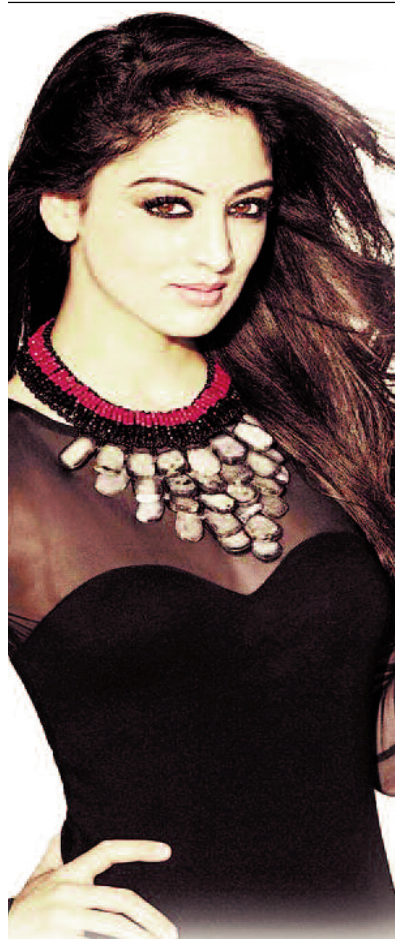
गिप्पी ने फिल्म के म्यूजिक को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में कुल सात गाने हैं, जिनमें रोमांटिक से लेकर देसी और भांगड़ा नंबर तक शामिल हैं। फिल्म के दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जबकि आने वाले दिनों में एक और गाना रिलीज किया जाएगा, जिसमें बी प्राक शामिल हैं। गिप्पी ग्रेवाल ने अपने किरदार के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्म में निहाल सिंह का किरदार निभा रहा हूँ, जो एक पिंड का देसी लड़का है। उसका किसी काम में मन नहीं लगता। वह अक्सर काम से बचने के लिए बहाने बनाता है और कई बार झूठ

भी बोलता है। वह उल्टे-सीधे काम करता रहता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उसकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आता है। निहाल सिंह एक बड़ी जिम्मेदारी उठाने का फैसला करता है और इसी जिम्मेदारी को निभाने के दौरान उसकी जिंदगी में कई तरह की मुश्किलें आती हैं। अब वह इस जिम्मेदारी को कैसे निभाता है और इसके चक्कर में उसे किन हालातों से गुजरना पड़ता है, यही फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा है।'

शहनाज गिल ने भी आईएनएस से बात करते हुए फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हूँ और 'सिंह वर्सेस कोर 2' भी मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार प्रोजेक्ट है। फिल्म में मैं एक बंगाली लड़की का किरदार निभा रही हूँ। मेरा किरदार बंगाली लड़की का क्यों है और कहानी में उसकी क्या भूमिका है, यह दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। इस किरदार को निभाना मेरे लिए आसान नहीं था, क्योंकि मैं खुद पंजाबी हूँ और

बंगाली भाषा बोलने में मुझे शुरुआत में काफी परेशानी हुई। हालांकि, मुझे इसके लिए ट्रेनिंग दी गई और इसी ट्रेनिंग की मदद से मैं किरदार को सही तरीके से निभा पाई।' शहनाज ने शूटिंग के दौरान की मस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पूरी टीम ने शूटिंग के दौरान खूब मजे किए और सेट पर माहौल काफी अच्छा रहा। जब फिल्म की शूटिंग खत्म हुई तो पूरी टीम थोड़ी उदास हो गई थी। सभी को एक-दूसरे की कमी महसूस हुई थी।

अब फिल्म की बात करें तो 'सिंह वर्सेस कोर 2' को नवनीत सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल के साथ प्रिय कंवलजीत सिंह, रघवीर बोली, हनी मधु, गुलजार चहल, रुपिंदर रूपी, गुरप्रीत भंगू, गुरमीत साजन और भाना ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल, रवनीत कौर ग्रेवाल, श्रीकांत मोहता और महेंद्र सोनी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी गुरप्रीत सेहजी ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले कपिल चोपड़ा और गुरप्रीत सहजी ने तैयार किया है। डायलॉग्स चंचल डाबरा और गुरप्रीत सहजी ने लिखे हैं।



आतिश और जेडी की कॉमेडी यानी परफेक्ट शुरुआत

सुर्बई अभिनेत्री संधीपा धर अपनी आगामी वेब सीरीज 'चुंबक' के साथ अभिनय का एक नया पहलू दर्शकों के सामने लाते हुए पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका मानना है कि इस शैली में उनकी शुरुआत बिल्कुल उसी तरह के हास्य के साथ हो रही है, जिसका वह हमेशा हिस्सा बनना चाहती थीं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए संधीपा ने कहा, 'ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो, और मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे वही मिला।'

गौरतलब है कि संधीपा धर के लिए 'चुंबक' सिर्फ एक नई शैली में काम करने का एक मौका नहीं है, बल्कि यह कॉमेडी को एक अलग और ताजे अंदाज में समझने और प्रस्तुत करने का मौका भी है। वह इस बात को लेकर बेहद खुश है कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस सिलसिले में वे कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने मुझे 'चुंबक' का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। पर्सनली मैं अगर आतिश और जेडी सर की बात करूँ तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज बहुत पसंद आए हैं। स्पेशियलि, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती हूँ। इसलिए मैं सच में बहुत खुश हूँ कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।'



जल्द शुरू होगी कार्तिक आर्यन की फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग

कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए खुशखबरी है कि उनकी आने वाली फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। कार्तिक आर्यन की मच अवेंटेड फिल्मों में से एक 'कैप्टन इंडिया' की तैयारियां शुरू हो गई हैं। फिल्म की शूटिंग 1 सितंबर 2026 से लंदन में शुरू होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अवट्टर के आखिर तक पूरी कर ली जाएगी। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शमित अमीन कर रहे हैं, जिन्हें 'चक दे! इंडिया' जैसी शानदार फिल्म के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मों की कहानियां आज भी दर्शकों से जुड़ती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।



जॉम्बी रेड्डी 2 में तेजा सज्जा के साथ नजर आएंगी शनाया कपूर

साउथ सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा की बहुचर्चित फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने खास तौर पर एक्टर के जन्मदिन पर इस जानकारी को साझा किया है। फिल्म में तेजा के साथ एक मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपना साउथ डेब्यू करती नजर आएंगी। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' तेजा सज्जा की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की जानकारी आज तेजा सज्जा के 31वें बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज के रूप में दी गई।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में होंगे। 'जॉम्बी रेड्डी 2' की कास्ट में एक्ट्रेस शनाया कपूर भी शामिल हो चुकी हैं। इस फिल्म से शनाया, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करेंगी। वहीं फिल्म में अभिनेता उपेंद्र भी अहम भूमिका में होंगे। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, नेपाली के साथ-साथ जापानी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन हैं शनाया कपूर?

शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजोय नाबियार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। इससे पहले शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' का निर्देशन सुपर्ण

एस वर्मा करेंगे। यह फिल्म एक हाई ओकेटेन जॉम्बी एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। इससे पहले सुपर्ण ने 'द फैमिली मैन', 'राणा नायडू' और 'हक' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी प्रशांत वर्मा ने लिखी है। इसके साथ ही फिल्म का संगीत गौरा हरि ने दिया है। टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के बारे में तेजा सज्जा की फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी हॉरर फिल्म थी। यह तेलुगु सिनेमा की सबसे पहली जॉम्बी बेस्ड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया था। फिल्म की कहानी एक गेम डेवलपर मारियो और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई थी।



'गांधारी' के किरदार के लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी

तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में छाया कदम भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। एक बातचीत के दौरान दोनों एक्ट्रेस ने अपने किरदार और उसकी तैयारी पर खुलकर बात की।

फिल्म 'गांधारी' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए छाया कदम ने बताया कि उन्हें इस किरदार को आत्मसात करने के लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ी। फिल्म 'गांधारी' में छाया ने बंगाली भाषी महिला का किरदार निभाया है। वह बोली, 'इस किरदार के लिए मुझे बंगाली सीखने का मौका मिला। मुझे यह अनुभव बेहद पसंद आया। 'इस भाषा के होने से किरदार में एक नया आयाम जुड़ गया। यह सफर मेरे लिए और भी यादगार बन गया।' अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भी फिल्म पर काफी कुछ कहा। एक्ट्रेस ने कहा, 'गांधारी फिल्म देखते समय बानी की हार न मानने की भावना मेरे मन में हमेशा बसी रही, भले ही परिस्थितियां उसके विपरीत थीं। वहीं इस भूमिका के लिए मुझे शारीरिक रूप से काफी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उसकी दृढ़ता, दृढ़ विश्वास और अटूट हौसला ही वह चीज थी जिसने मुझे सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया।'



क्या अमाल मलिक को हो रहा पछतावा? फरहाना भट्ट से मांगी माफी

म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट के साथ अपनी दोस्ती को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। बिग बॉस 19 में साथ रहने के बाद, अमाल और फरहाना ने 'यही गुजार दूँ' नाम के एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। अब, म्यूजिक कंपोजर ने अपनी बिग बॉस 19 की साथी कंटेस्टेंट से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है।

अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी

एक्स पर अमाल मलिक ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने फरहाना और उनके फैनबेस के बारे में अपनी पिछली पोस्ट का जिक्र किया। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट ने माना कि एक्ट्रेस के बारे में उनका एक बयान सही नहीं था। उन्होंने लिखा, 'मैंने एक बात गलत कही थी, 'तुम्हें 100 पुरुषों के साथ जोड़ने' वाली बात बकवास थी, जो गुरूसे में निकल गई थी। हां, यह तुम्हारे नाम का अनादर था। मुझे सच में अफसोस है। मैं तुम्हें हर उस बेवकूफ के लिए जिम्मेदार नहीं मानता जो तुम्हारा पैराने होने का दावा करता है। फरहाना के बारे में मेरा बयान गलत, अनावश्यक और अनादरपूर्ण था। मैं उसके लिए माफी मांगता हूँ। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने वह पिछली पोस्ट एक्ट्रेस के फैनबेस के एक हिस्से की तरफ से महीनों तक उकसाने, अपमानित

करने, एडिट्स और धमकियों के बाद लिखी थी।

सीक्रेट रोमांस की थ्योरी को खारिज किया

अमाल ने फरहाना के साथ अपने सीक्रेट रोमांस की थ्योरीज को खारिज कर दिया। बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट ने बताया कि म्यूजिक वीडियो रिलीज होने के बाद से वह और अभिनेत्री एक-दूसरे से नहीं मिले हैं। हालांकि उन्होंने मिलने की योजना बनाई थी, लेकिन अपने प्रोफेशनल कामों की वजह से ऐसा कभी नहीं हो पाया।

अमाल ने प्रतिभागियों को दी बधाई

एक और टीवीट में, उन्होंने फरहाना के लिए एक मैसेज शेयर किया। म्यूजिक कंपोजर ने उन्हें और बिग बॉस 19 के दूसरे कंटेस्टेंट्स को शुभकामनाएं दीं। हालांकि, उन्होंने बिना किसी कड़वाहट के आभार और विनम्रता के साथ अपनी दोस्ती को खत्म करने का फैसला किया। आखिर में, अमाल ने बताया कि बिग बॉस 19 से जुड़ा वह उनका आखिरी पोस्ट था। उन्होंने वादा किया कि वे जल्द ही रेटिजन्स से फिर जुड़ेंगे और शायद उनके साथ बिग बॉस का अगला सीजन भी देखेंगे।